सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

डॉक्टरों को अब बाहर की दबा लिखने पर..... पेज: 6

जिंदगी को भी गेम की तरह खेलती हुं पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 01 | गुरूवार 02 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान के बाथरूम में मिले पेपर पर डेंजर लिखा... हड़कंप मच गया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो के एक विमान में संदिग्ध टिश्यू पेपर मिलने से हड़कंप मच गया। बाथरूम में पाए गए पेपर पर डेंजर लिखा हुआ था और नीचे खोपड़ी बनी थी। यह घटना तब हुई जब विमान अपनी अगली उड़ान के लिए तैयारी में था। मुंबई पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे विमान और इलाके की जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे जांच शुरू कर दी है। इसी बीच, लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। विमान बागडोगरा से दिल्ली जा रहा था और कॉकपिट के इलेक्ट्रिक पैनल (एवियोनिक्स बे) से धुआं निकलने के कारण सुरक्षा कारणों से लखनऊ की ओर मोड़ा गया। विमान शाम 5ः18 बजे सुरक्षित रूप से उतरा। विमान में चालक दल के छह सदस्य और 142 यात्री शामिल थे। सभी को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया। विमानन कंपनी ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए अन्य विमानों में जगह दी, कुछ को टिकट की पूरी रकम वापस की गई, और कई को होटल में ठहरने की सुविधा प्रदान की गई। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बताया कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए चालक दल ने समय रहते विमान को लखनऊ में उतारा। दोनों घटनाओं ने हवाई सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। मुंबई की घटना चेतावनी और सुरक्षा जांच की आवश्यकता दिखाती है, जबकि लखनऊ की घटना विमानन सुरक्षा और आपात स्थिति प्रबंधन की तत्परता को दर्शाती है। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रही और दोनों मामलों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत तलाक उसी तारीख से प्रभावी जिस तारीख को उसकी घोषणा की गई हो कोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत जब कोई पति तलाक का एलान करता है तो तलाक उसी तारीख से प्रभावी माना जाता है, जिस तारीख को उसकी घोषणा की गई हो बशर्ते कि वह कानून के अनुसार वैध हो। एक मुस्लिम महिला द्वारा भरण-पोषण को लेकर दाखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने महत्वपूर्ण आदेश में टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह भी तय है कि जहां कोई पति तलाक देता है और बाद में उसी के संबंध में कोई आदेश पाने के लिए अदालत जाता है तो अदालत द्वारा दिया गया आदेश आमतौर पर केवल घोषणात्मक प्रकृति का होता है। यह केवल उस तलाक की स्थिति को मान्यता देता है या उसकी पुष्टि करता है जो पहले ही हो चुका होता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसी परिस्थितियों में अदालत का आदेश फैसले की तारीख से कोई नया तलाक नहीं करता बल्कि केवल यह घोषित करता है कि क्या तलाक पहले ही वैध रूप से दिया जा चुका था। कोर्ट ने याची पत्नी को राहत देते हुए फैमिली कोर्ट द्वारा भरण-पोषण वाद को लेकर पारित आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने याची महिला की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए मामले को फैमिली कोर्ट को वापिस भेजने का आदेश दिया ताकि वो याची महिला के भरण-पोषण के दावे पर कानून के अनुसार दोनों पक्षों को सुनवाई का अवसर देने के बाद और कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से और गुण-दोष के आधार पर निर्णय ले सकें।

लोकसभा में 50फीसदी वृद्धि से उत्तरी राज्यों को फायदा, दक्षिण भारत को नुकसान

–केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर घमासान, कांग्रेस ने इस कदम को बताया अन्यायपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में 50 फीसदी तक की वृद्धि करने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस ने इस कदम को अन्यायपूर्ण और दक्षिण भारत के हितों के खिलाफ बताया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर दावा किया है कि मोदी सरकार महिला आरक्षण को लागू करने की पृष्ठभूमि में लोकसभा का आकार बढ़ाने के लिए एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। मीडियचा रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने कहा कि प्रस्ताव के तहत लोकसभा की कुल सीटों में 50फीसदी की वृद्धि की जाएगी, जिसका सीधा असर हर राज्य को आवंटित सीटों पर पड़ेगा। कांग्रेस का तर्क है कि इससे उत्तरी राज्यों को तो भारी फायदा होगा, लेकिन दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों का संख्याबल कमजोर हो जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि अनुपात फिलहाल नहीं बदल सकता है लेकिन इसके गहरे निहितार्थ हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। रमेश ने कहा कि लोकसभा में कई राज्यों के मौजूदा संख्याबल के अंतर में किसी भी तरह की वृद्धि से दक्षिण भारतीय राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने

कहा कि उदाहरण के लिए वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 80 सीट हैं और तमिलनाडु में 39 सीट हैं। प्रस्तावित विधेयक के साथ यूपी की लोकसभा सीट की संख्या बढ़कर 120 हो जाएगी जबकि तमिलनाडु में अधिकतम 59 सीट हो पाएंगी। इसी तरह केरल में लोकसभा की 20 सीट बढ़कर 30 हो जाएंगी, जबकि बिहार में 40 से बढ़कर 60 सीट हो जाएंगी। कुल मिलाकर दक्षिणी राज्यों को 66 सीट का फायदा होगा जबकि उत्तरी राज्यों को 200 सीट का फायदा होगा। रमेश ने दावा किया कि पीएम मोदी एकतरफा कानून तैयार कर रहे हैं जिससे दक्षिण, पूर्वोत्तर और पश्चिम के छोटे राज्यों को नुकसान होगा।

उत्तर भारत में बेमौसम बारिश से खड़ी फसल हुई आड़ी, 19 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

बारामुला में भारी बारिश से स्कूल हास्टल में फंसे 34 लोगों को सेना ने निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में मौसम बदलने से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार के लिए दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत देश के 19 राज्यों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। यह बेमौसम बारिश रबी की फसलों, खासकर गेहूं और सरसों, के लिए बेहद हानिकारक साबित हो रहा है। तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में खड़ी पकी फसलें आड़ी हो गई हैं, जिससे उनके सड़ने और फफूंद लगने का खतरा बढ़ गया है।

दिल्ली और पंजाब समेत मैदानी इलाकों में मंगलवार को मौसम ने अचानक बदल गया। दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। दोपहर बाद घने बादल छाने और बिजली कड़कने के साथ मौसम एकदम से बदल गया। दिन में ही लोग गाड़ियों की लाइट जलाकर चलते नजर आए। दिल्ली का अधिकतम

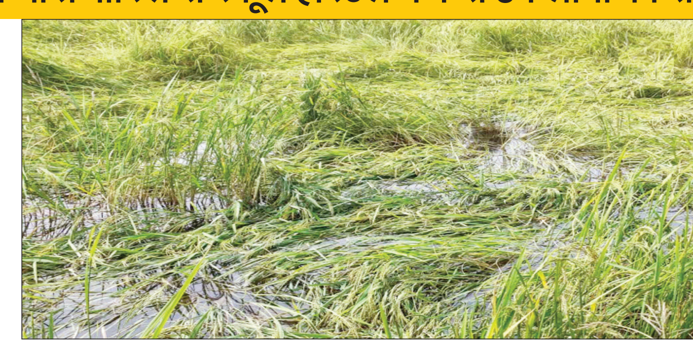

तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री ज्यादा था। हवा में नमी का स्तर 96 से 36 प्रतिशत दर्ज हुआ। पंजाब में कई जिलों में ओलावृष्टि के साथ बारिश भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक कश्मीर के बारामुला में भारी बारिश के कारण पानी का स्तर अचानक बढ़ जाने से एक स्कूल हास्टल में फंसे 34 लोगों को सेना ने सुरक्षित निकाल लिया। इनमें 30 छात्र और चार शिक्षक शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के बाद फिसलन के कारण श्रीनगर-लेह व बांडीपोरा-गुरेज मार्ग पर भी यातायात बहाल नहीं हो सका।

कश्मीर की गुरेज घाटी में दोपहर को हिमस्खलन हुआ, लेकिन आसपास कोई आवासीय बस्ती नहीं होने के चलते जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। उधर हिमाचल में बारालाचा, कुंजुम और रोहतांग दर्रा में मंगलवार को हल्का हिमपात हुआ, जबकि केलंग में पांच, चंबा में दो मिलीमीटर बारिश हुई। कश्मीर में तेज और मूसलाधार बारिश के कारण रफियाबाद के वतरगाम इलाके में एक नाले में पानी का स्तर अचानक बढ़ गया, जिससे एक स्थानीय स्कूल हास्टल में बाढ़ आ गई। इससे वहां स्कूली बच्चे और शिक्षक परिसर के अंदर फंस गए। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में तैनात सेना की टुकड़ी से संपर्क किया, जिसने तुरंत मानवीय सहायता अभियान शुरू किया। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और खतरनाक रूप से ऊंचे जल स्तर के बावजूद टीमों ने फंसे हुए लोगों तक पहुंचने में सफलता पाई और सभी 34 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। हिमाचल प्रदेश में गोंदला व केलंग जैसे उच्च इलाकों में मंगलवार को हिमपात हुआ। बीआरओ ने 16580 फीट ऊंचे शिंकुला के रास्ते को बहाल कर दिया है।

'समुद्री पौधा' बताकर जैन व्यापारी को मछली खिलाने का आरोप, बाबा अशोक खरात की बढ़ीं मुश्किलें

–यौन उत्पीड़न और आपत्तिजनक वीडियो मामले में पहले से हैं घिरे

पुणे (एजेंसी)। अशोक खरात नामक स्वयंभू बाबा पर महाराष्ट्र में अब दिन-ब-दिन चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि उन्होंने जैन समुदाय के व्यापारियों को धोखा देकर मछली को 'समुद्री पौधा' बताकर वर्षों तक उसका सेवन करवाया। यह धोके का कारोबार एक-दो दिन या महीने नहीं बल्कि छह साल तक चलता रहा।

जांच अधिकारियों के मुताबिक, एक 46 वर्षीय जैन व्यापारी करीब छह वर्षों तक खरात के संपर्क में रहा। इस दौरान वह नियमित रूप से धार्मिक अनुष्ठानों के लिए उनके पास जाता रहा और अनजाने में मछली खाता रहा। उसे यह विश्वास दिलाया गया था कि यह कोई जीव नहीं बल्कि समुद्र में उगने वाला पौधा है, जिससे व्यापार में उन्नति और समृद्धि आती है। आरोप है कि खरात ने अपने अनुयायियों को गुमराह करने के लिए दावा किया कि मछली में हड्डियां नहीं होतीं और वह खून भी नहीं बहाती, इसलिए उसे पौधे की तरह माना जा सकता है। इन दलीलों के जरिए उन्होंने कई लोगों से लाखों रुपये भी वसूले।

धोखाधड़ी का बड़ा नेटवर्क

जांच एजेंसियों का मानना है कि यह मामला सिर्फ धार्मिक आस्था से खिलवाड़ का नहीं, बल्कि एक सुनियोजित ठगी का हिस्सा है। कई बड़े व्यापारी भी उनके प्रभाव में आकर उनसे व्यापार और भविष्य को लेकर सलाह लेते थे।

आपत्तिजनक वीडियो और यौन उत्पीड़न के आरोप

कथित बाबा के मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया, जब इससे जुड़े आपत्तिजनक वीडियो के प्रसार का मामला सामने आया। राज्यभर में 100 से अधिक केस दर्ज किए गए हैं, जबकि विशेष जांच टीम ने सोशल मीडिया से करीब 3,500 लिंक हटाए हैं। पुलिस के अनुसार, अशोक खरात को 17 मार्च को नासिक

से गिरफ्तार किया गया था। अब तक उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के 11 मामले दर्ज हो चुके हैं।

जांच जारी, और खुलासों की संभावना

अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। यह घटना धार्मिक आस्था के नाम पर होने वाले धोखे और अंधविश्वास को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।

फीस भरने के लिए छात्र ने बेची किडनी, रकम के विवाद में हुआ बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का भंडाफोड़

– सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ लेकिन मिले केवल साढ़े तीन लाख

– पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहे एक छात्र द्वारा अपनी फीस जमा करने के लिए किडनी बेचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला आयुष कुमार नामक यह छात्र उस समय पुलिस की नजरों में आया जब किडनी निकालने के बाद सौदा करने वाले गिरोह ने उसे पूरी रकम नहीं दी और वह अपनी शेष राशि मांगने पुलिस के पास पहुंच गया। छात्र ने पुलिस को बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने और पिता की आत्महत्या के बाद पढ़ाई छूटने के डर से उसने यह घातक कदम उठाया। छात्र के मुताबिक, शुरुआत में सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ था, लेकिन ऑपरेशन के बाद आरोपियों ने केवल साढ़े तीन लाख रुपये ही दिए। जांच में सामने आया है कि आयुष करीब छह महीने पहले टेलीग्राम पर एक किडनी डोनर ग्रुप के संपर्क में आया था। वह पहले शिक्षा ऋण (लोन) लेकर फीस भरना चाहता था, लेकिन सफलता न मिलने पर उसने किडनी बेचने का निर्णय लिया। उसे डॉक्टर अफजल और डॉक्टर वैभव कानपुर लेकर आए थे, जहां उसका ऑपरेशन किया गया। हालांकि, पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा है और उसने कई फर्जी म्यूल अकाउंट बनवाए थे, जिसकी जांच की जा रही है।

इस मामले की गहराई से पड़ताल करने पर पुलिस ने एक बड़े अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश किया है। कानपुर पुलिस ने इस सिलसिले में आईएमए की उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति आहूजा समेत पांच डॉक्टरों और एक दलाल को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान लखनऊ और नोएडा के कई बड़े अस्पताल भी पुलिस के रडार पर आ गए हैं, जहां गंभीर स्थिति होने पर मरीजों को अवैध रूप से शिफ्ट किया जाता था। एसीपी आशुतोष कुमार के अनुसार, इन अस्पतालों की भूमिका संदिग्ध है और जल्द ही कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां संभव हैं। फिलहाल पुलिस फरार चल रहे दो अन्य डॉक्टरों और चार सहयोगियों की तलाश में जुटी है, जो इस अवैध मानव अंग व्यापार के नेटवर्क को संचालित कर रहे थे।

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन- अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

भील और भारिया की दो कहावतें हैं - भील कहते हैं, 'होने नी रेत, ने खोने नो डर' और भारिया कहते हैं 'डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।' इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है - 'जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?' जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है - 'बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए'। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा - 'हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे।

लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है - 'अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं'।

रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा-सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले

लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए।

ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड (FCRA) का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं।

यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि 'जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।'

कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि ₹तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।₹ लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं; और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है।

दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया।

असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है।

चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है।

झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा कानून (PESA Act, 1996) का कार्य भली भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल माँग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणापत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता, और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को 'धर्मनिरपेक्षता' के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी 'अस्मिता' की रक्षा करने में विफल रहे, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में एक नए 'उलगुलान' (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

संपादकीय

जरूरी सत्ता परिवर्तन

कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस सगंठन व कार्यकताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है। राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर-सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व-द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज-तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निर्विवाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है। बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है। माना जाता है कि इन वर्गों में सिद्धारमैया की खासी मजबूत पकड़ रही है।

चिंतन-मनन

सदाचार की परीक्षा

राजा अंग सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह गलत संगति में पड़कर अनुचित कार्य करने लगा। चारों तरफ से उसकी शिकायतें आने लगीं। इससे राजा अत्यंत चिंतित हो गए। प्रवीण सिंह अभी बालक ही था, इसलिए राजा चाहते थे कि उसका स्वभाव बदले और भविष्य में वह एक नेक राजा बन सके।

वह उसे अपने गुरु सोमदेव के पास लेकर आए। सोमदेव ने युवराज को छह माह तक अपने आश्रम में छोड़ देने के लिए कहा। वह प्रतिदिन युवराज को अपने साथ रखते और उससे कई कार्य कराते। इसी तरह तीन महीने बीत गए। अब राजकुमार पर सुसंगति के साथ ही गुरुदेव की बातों का असर पड़ने लगा था। एक दिन गुरु बोले, पुत्र, ईश्वर हर जगह मौजूद है। याद रखो दुष्कर्म और पाप की सजा मिलती अवश्य है क्योंकि ईश्वर सब कुछ देख रहा होता है। जब तुम किसी प्रलोभन से पाप करने को उतारू हो तो वहीं ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो। तुम हर जगह यह सोचो कि मेरा प्रभु मेरे सामने है।

वह ये बातें प्रतिदिन युवराज को बताते। एक दिन उन्होंने राजकुमार को एक खरगोश देकर उसे एकांत में ले जाकर मारने को कहा। युवराज खरगोश को लेकर कई स्थानों पर गया लेकिन उसकी गर्दन नहीं मरोड़ पाया। वह जब भी उसकी गर्दन पर हाथ रखता तो उसकी निरीह आंखों में उसे ईश्वर नजर आते। कई घंटों बाद वह वापस जीवित खरगोश को लेकर गुरु के पास पहुंचा और बोला, गुरु जी आप ही ने तो सिखाया है कि हर किसी में ईश्वर की उपस्थिति समझो। फिर मैं अकेला कैसे हो सकता हूं? इस खरगोश की भोली आंखों में मुझे ईश्वर की उपस्थिति नजर आई। इसलिए मैं इसे मार नहीं पाया। युवराज की बात सुनकर गुरु सोमदेव ने उसे गले से लगा लिया और बोले, पुत्र, आज तुम सदाचार और प्रेम की परीक्षा में पास हो गए हो। इसके बाद महाराज उसे अपने साथ ले गए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ

कमलेश पांडेय

'लचीली भूराजनीति' यानी फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स का जन्मदाता भारत की देखा-देखी अब पूरी दुनिया में इसका प्रचलन बढ़ रहा है। इसे मोदी डॉक्ट्रिन कहना ज्यादा उचित होगा, जो गुटनिरपेक्षता का हाइब्रिड पालिसी संस्करण है। आम कहानी वाली भाषा में कहें तो 'खुल जा सिमसिम और बंद हो जा सिमसिम' वाली वैश्विक कूटनीति ही अब लचीली भूराजनीतिक बन चुकी है।

दरअसल, फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स यानी लचीली भूराजनीति का अर्थ ऐसी अवसरवादी विदेश नीति से है, जिसमें देश अपने हित के अनुसार कभी दोस्ती का दरवाजा खोलते हैं और कभी तुरंत बंद कर लेते हैं। आज की दुनिया में यही 'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' तेजी से बढ़ रही है।

जिसके सफल उपयोगकर्ता टीम पीएम मोदी हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ भारत जैसे उन देशों को होता है जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली हों, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हों, सैन्य रूप से सक्षम हों, और बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन साधना जानते हों। यही वजह है कि भारत इसे अपनाकर दुनिया के शीर्षस्थ देशों की कतार में शामिल होने की दिशा में बढ़ता जा रहा है।

सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधिक लाभः संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस-भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और तकनीकी नियंत्रण का इस्तेमाल कर सकती हैं। 'मित्र' और 'प्रतिद्वंद्वी' दोनों से व्यापार जारी रख सकती हैं। उदाहरणः अमेरिका, चीन से प्रतिस्पर्धा भी करता है और व्यापार भी। चीन रूस का साझेदार है लेकिन पश्चिमी बाजार भी नहीं छोड़ना चाहता। वहीं, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद एशियाई देशों से संबंध मजबूत कर रहा है।

दूसरा, मध्यम शक्तियों का भी फायदाः भारत, तुर्किये, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति से लाभ उठा रहे हैं। भारत इसका बड़ा उदाहरण है, जो क्वाड (Quad) में भी है, ब्रिक्स (BRICS) में भी, रूस से रक्षा सहयोग भी रखता है, और अमेरिका से तकनीकी साझेदारी भी बढ़ाता है। इससे रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहती है, निवेश कई दिशाओं से आता है, और वैश्विक मंचों पर प्रभाव बढ़ता है।

तीसरा, कॉर्पोरेट और टेक कंपनियों को बड़ा लाभः एप्पल (Apple), टेस्ला (Tesla), माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) जैसी वैश्विक कंपनियाँ देशों की प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाती हैं। क्योंकि देश उन्हें निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स छूट देते हैं, सप्लाई चेन अपने यहाँ लाने की कोशिश करते हैं, और टेक्नोलॉजी कंपनियों को रणनीतिक साझेदार मानते हैं।

सवाल है कि ऐसी मतलबी कूटनीति से नुकसान किसका? तो जवाब होगा कि-

पहला, छोटे और कमजोर देशों काः अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और छोटे एशियाई देशों पर दबाव बढ़ता है कि वे किसी एक खेमे का समर्थन करें। वे कर्ज जाल, प्रतिबंध, राजनीतिक दबाव, और सामरिक प्रतिस्पर्धा के बीच फँस जाते हैं।

दूसरा, वैश्विक स्थिरता काः ऐसी कूटनीति में भरोसा कम होता है। देश स्थायी मित्र नहीं बल्कि 'तात्कालिक हित' देखते हैं। इससे युद्धों की आशंका बढ़ती है, व्यापारिक तनाव बढ़ता है, और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं।

भारत के लिए क्या संदेश?

वहीं, भारत के लिए यह दौर अवसर भी है और चुनौती भी। यदि भारत नवाचार, निर्माण, रक्षा आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा, और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है, तो वह इस बदलती दुनिया में 'संतुलनकारी शक्ति' बन सकता है। लेकिन यदि आर्थिक और तकनीकी शक्ति पर्याप्त न हो, तो ऐसी 'खुल जा सिमसिम' कूटनीति में बड़े देश छोटे देशों को केवल रणनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि इस प्रकार की वैश्विक कूटनीति का सबसे बड़ा लाभ उन्हीं देशों और कंपनियों को मिलेगा जिनके पास शक्ति, पूँजी, तकनीक और विकल्प हैं। जबकि कमजोर देशों के लिए यह अनिश्चितता, दबाव और निर्भरता का नया युग भी बन सकता है।

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

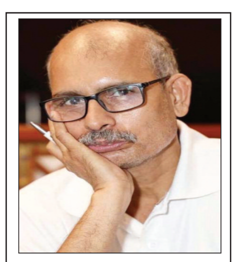

विनोद कुमार सिंह

राष्ट्र निर्माण,जनजागरण और लोकतंत्र की आत्मा बनी हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा...

'खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।' अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। 'बनारस अखबार','हिन्दी प्रदीप','कवि वचन सुधा', 'भारत मित्र', 'सरस्वती' और 'प्रताप' जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का 'प्रताप' केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

'सत्य लिखना यदि अपराध है,
तो यह अपराध बार-बार होगा।'

यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी।

समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है।आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है।छोटे शहरों और गाँवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुँचा दिया है।डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं।

आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट 'विश्वसनीयता' का है।फेक न्यूज,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी की अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉरपोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है।'पहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है।'यह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेजी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है।'सबसे पहले' दिखाने की होड़ में 'सबसे सही' दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच तो दिया है, लेकिन बिना पुष्टि की सूचनाओं ने समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण भी पैदा किया है। पत्रकारिता यदि केवल शोर बनकर रह जाएगी,तो समाज का विश्वास टूटेगा।लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका प्रहरी की होती है,प्रचारक की नहीं।पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं,बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है।

इन चुनौतियों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल दिखाई देता है। भविष्य मे आने वाला समय 'भाषाई पत्रकारिता' का होगा। भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में बसती है और हिन्दी पत्रकारिता उसी आत्मा की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक),डेटा पत्रकारिता और तकनीकी नवाचार समाचारों की प्रस्तुति को बदलेंगे, लेकिन पत्रकारिता की वास्तविक आत्मा वही रहेगी।पत्रकारिता का भविष्य तकनीक से नहीं,उसकी नीयत से तय होगा। मशीनें खबर लिख सकती हैं, लेकिन समाज की पीड़ा को महसूस करने का सामर्थ्य केवल संवेदन शील पत्रकार के पास होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता पुनः अपने मूल आदर्शों-सत्य,निष्पक्षता,जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व - को याद करे।' कलम बिकनी नहीं चाहिए,सत्य झुकना नहीं चाहिए।' निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है।' हिन्दी पत्रकारिता की लगभग दो शताब्दियों की यह यात्रा केवल इतिहास नहीं,बल्कि भारत की सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है।यह यात्रा संघर्ष की भी है,साहस की भी है और जनविश्वास की भी है।आज आवश्यकता ऐसे पत्रकारों की है जो सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस रखें,समाज की आवाज बनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें।लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति संसद से पहले समाज की जागरूक चेतना में बसती है और उस चेतना को जगाने का कार्य पत्रकारिता ही करती है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि कलम की ताकत किसी भी सत्ता से बड़ी होती है।यही वह शक्ति है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया,लोकतंत्र को मजबूत किया और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को मंच प्रदान किया।

आज हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर उन सभी पत्रकारों,संपादकों, लेखकों, फोटोग्राफरों, कैमरामैनों और समाचार कर्मियों को विनम्र नमन,जिन्होंने अपनी लेखनी और कर्म से समाज को जागृत किया, लोकतंत्र को सशक्त बनाया और राष्ट्र की चेतना को जीवित रखा। 'स्याही से लिखी गई सच्चाई, इतिहास बदलने की ताकत रखती है।'हिन्दी पत्रकारिता केवल भाषा की पत्रकारिता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है।

(नोट - लेखक स्वतंत्र पत्रकार ,स्तम्भकार व मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति के उपाध्यक्ष है।)

प्रशासन की मध्यस्थता से निपटा अंबेडकर जयंती हसनपुर का विवाद

सर्व सम्मति से अम्बेडकर जयंती के संयुक्त अध्यक्ष बने विनोद कुमार गौतम व चंचल सागर

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- अंबेडकर जयंती को लेकर पिछले दो महीने से चल रही खींचतान आखिरकार कल समाप्त हो गई। कोतवाली परिसर में उपजिलाधिकारी हसनपुर,पुलिस क्षेत्राधिकारी हसनपुर एवं प्रभारी निरीक्षक हसनपुर की उपस्थिति में दोनों पक्षों 15-15 व्यक्तियों की मौजूदगी में बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें दोनों पक्षों को सुनने के बाद तय हुआ कि अबकी बार संयुक्त रूप से दो अध्यक्ष बनाकर उनके नेतृत्व में अंबेडकर जयंती मनाई जाएगी। अंबेडकर जयंती की जिम्मेदारी के लिए वरिष्ठ शिक्षक एवं अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के महामंत्री विनोद कुमार गौतम

एवं पूर्व अध्यक्ष चंचल सागर को संयुक्त रूप से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस बार जयंती का आयोजन पूर्व की तरह ही डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर के तत्वाधान में अच्छे से संपन्न होगा। प्रशासन के द्वारा दोनों पक्षों के सहयोग से किए गए निर्णय से अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के पदाधिकारी व डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर के पदाधिकारी गणों ने आभार व्यक्त किया। साथ ही सर्वसम्मति से यह भी तय हुआ कि अम्बेडकर जयंती के निमंत्रण पत्र पर केवल संयुक्त रूप से बनाएं गये दोनों अध्यक्षों विनोद कुमार गौतम व चंचल सागर के अलावा किसी पदाधिकारी का कोई जिक्र नहीं होगा। अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि अंबेडकर जयंती पूरे हर्षोल्लाह और खुशी के साथ मनाई जाएगी। सभी आपसी भाईचारे के साथ आयोजन में प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर कोर कमेटी के अध्यक्ष जयपाल सिंह, श्रीमती सुखदेव इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य महिपाल सिंह, अंबेडकर उद्यान समिति के अध्यक्ष विजय गौतम, जाटव महासभा के अध्यक्ष लवी सागर, जाटव सभा के पूर्व अध्यक्ष मुकेश जाटव, गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रोहतास सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता अजब सिंह एडवोकेट,पूर्व सभासद अरविंद कुमार अन्ना, समाजसेवी डॉक्टर अशोक कुमार,अंबेडकर जयंती के पूर्व अध्यक्ष मुरारी लाल मौर्य, शिक्षाविद् संजय सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी बदन सिंह गौतम, समाजसेवी मलखान सिंह, युवा समाजसेवी अमित हाली, दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

मंगरौला में 'स्कूल चलो अभियान' का भव्य आगाज, विधायक पुत्र ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

गंगेश्वरी ब्लॉक की ब्लाक स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारंभ

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को विकास खंड गंगेश्वरी के कम्पोजिट स्कूल मंगरौला में ब्लॉक स्तरीय 'स्कूल चलो अभियान' रैली का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक पुत्र एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र सिंह खड़गवंशी ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली को संबोधित करते हुए देवेंद्र सिंह खड़गवंशी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों से भावुक अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि 6 से 14 आयु के प्रत्येक बच्चे का नामांकन
सरकारी स्कूलों में कराएं। सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा, यूनिफॉर्म, पुस्तकें और मध्याह्न भोजन जैसी सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मुख्य अतिथि ने विशेष रूप से 'मिशन शक्ति' का उल्लेख करते हुए बालिकाओं की शिक्षा को समाज की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार बेटियों को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। जब बेटियाँ शिक्षित होंगी, तभी समाज और राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव है। शुभारंभ के पश्चात स्कूली बच्चों ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर पूरे गांव में भ्रमण किया। "आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे" और "पढ़ी-लिखी लड़की, रोशनी घर की" जैसे नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। इस दौरान शिक्षकों ने घर-घर जाकर अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार,प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, संयुक्त मंत्री महताबउद्दीन, ग्राम प्रधान सोमपाल सिंह, इकबाल सिंह, रिंकू सिंह गूर्जर, अनिल कुमार,एआरपी मौहम्मद असलम, संजीव मौर्य, महिपाल सिंह, विकास राहुल,इंचार्ज अध्यापक दिग्विजय सिंह, मशकूर अहमद, सनोज कुमार,सतवीर सिंह, रविकांत शर्मा, फिरोज आलम, राशिद रहमान,संदीप कुमार,फैजान हस्मत, जयपाल सिंह, रीना गौड़, मनीषा आदि मौजूद रहे।

बीजनपुर में निकाली गई स्कूल चलो अभियान रैली, 6 वर्ष के बच्चों के दाखिले का किया गया आह्वान

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- विकासखंड गंगेश्वरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बीजनपुर में मंगलवार को स्कूल चलो अभियान के तहत गाँव में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का मुख्य उद्देश्य 6 वर्ष की आयु पूरी कर चुके बच्चों का नामांकन करवाकर शत-प्रतिशत साक्षरता की ओर कदम बढ़ाना रहा। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे अपने पात्र बच्चों को तत्काल विद्यालय में दाखिला कराएँ और शिक्षा को प्राथमिकता दें। विद्यालय के प्रधानाध्यापक पवन अग्रवाल ने

शिक्षा के सामाजिक-आर्थिक लाभों पर प्रकाश डाला और अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। रैली गाँव के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई सम्पन्न हुई, जहाँ ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक समर्थन व्यक्त किया। प्रधानाध्यापक पवन अग्रवाल ने कहा कि आगामी दिनों में घर-घर संपर्क अभियान चलाकर शेष बच्चों का भी दाखिला पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, ब्लॉक गंगेश्वरी के अध्यक्ष पवन अग्रवाल, ग्राम प्रधान पुत्र नौशाद अली, सहायक अध्यापक अमित कुमार, हीरालाल, हिमांशु कुमार, रुचि रानी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मंडी धनौरा में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत स्कूली बच्चों ने निकाली रैली

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील में शिक्षा के अधिकार को जन-जन तक पहुंचाने और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'स्कूल चलो अभियान' रैली का आयोजन किया गया। यह रैली बुधवार, 1 अप्रैल 2026 को विकास क्षेत्र धनौरा में आयोजित हुई, जिसका लक्ष्य नगर और ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना था।

बता दें कि अभियान का औपचारिक शुभारंभ खंड विकास अधिकारी (BDO) नरेंद्र पाल और खंड शिक्षा अधिकारी (*BEO*) प्रकाश चंद ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। इस रैली में नगर क्षेत्र और आसपास के विभिन्न प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।बच्चों ने हाथों में प्रेरणादायक स्लोगन लिखी तख्तियाँ लेकर गलियों और मुख्य मार्गों पर भ्रमण किया। उन्होंने 'आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे' और 'मम्मी-पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल में चलकर नाम लिखाओ' जैसे नारों के साथ शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाई।खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद ने बताया कि यह अभियान 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक चलेगा।

उन्होंने कहा कि इसका मुख्य लक्ष्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (फ्ळए) 2009 के तहत 6 से 14 वर्ष तक के उन सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराना है, जो अभी भी शिक्षा की मुख्यधारा से बाहर हैं।

धनौरा सीएचसी में एचपीवी वैक्सीन अभियान के तहत सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकरण की शुरूआत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडी धनौरा में बुधवार को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) वैक्सीन टीकाकरण अभियान का शुभारंभ हुआ। यह अभियान महिलाओं में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर के खतरों को देखते हुए शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य किशोरियों को इस गंभीर बीमारी से बचाना है।

बता दें कि अभियान के पहले दिन नवाबपुरा भूड़ निवासी गरिमा यादव (पुत्री धर्मवीर सिंह यादव) को वैक्सीन का पहला टीका लगाया गया। अस्पताल की वरिष्ठ स्टाफ नर्स

ने गरिमा को यह टीका लगाया, जिसके साथ ही टीकाकरण सत्र का आरंभ हुआ। उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों ने एचपीवी वैक्सीन को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में महत्वपूर्ण बताया। डॉ. मंदीप सिंह ने कहा कि समय पर टीकाकरण और जागरूकता से महिलाओं में होने वाले इस रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अभिभावकों से अपनी बेटियों को टीका लगवाने की अपील की।इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इनमें डॉ. मंदीप सिंह, अभिषेक वर्मा, अमित यादव, डॉ. अनामिका चौधरी, डॉ. कुलदीप यादव और ममतेश कुमारी प्रमुख थे।सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल कुमार ने बताया कि इस अभियान को क्षेत्र में व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र किशोरी इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे।

दूषित पानी को लेकर भाकियू (संयुक्त मोर्चा) का धरना प्रदर्शन 102वें दिन भी लगातार जारी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक नगरी स्थित गांव शाहबाजपुर डोर के निकट नेशनल हाईवे 9 पर भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा का धरना प्रदर्शन 102वें दिन भी जारी रहा।इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि गजरौला क्षेत्र में जहरीले पानी से गेहूं की फसल तैयार हो चुकी है। किसान गेहूं की कटाई कर रहे हैं यह गेहूं पूरे देश के अंदर जाएगा। इस जहरीली गेहूं के आटे को खाकर पूरे देश में कैंसर की बीमारी फैलेगी, क्या इसे रोकने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की नहीं थी,अमरोहा जिला प्रशासन पूरे देश में कैंसर की बीमारी फैलवाना चाहता है उन्होंने कहा कि पिछले 102 दिन से गजरौला क्षेत्र का किसान धरना लगाकर शोर मचा रहा है। गजरौला क्षेत्र की फसलें पूरे देश में बीमारी फैलाने का काम करेगी इसे रोका जाए और किसानों को पीने के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाए। लेकिन आज तक उत्तर प्रदेश सरकार अमरोहा जिला प्रशासन के द्वारा इस और कोई ध्यान नहीं दिया गया। अब इसको लेकर किसान बहुत आक्रोसित है, किसानों का गुस्सा कहर बनकर किसी भी समय जूबिलेंट फैक्ट्री के ऊपर टूट सकता है। गजरौला क्षेत्र के किसानों की फसलें और नस्ल बचाने के लिए आज तक संयुक्त मोर्चा के अलावा कोई भी सामने नहीं आया है। संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी 102 दिन से किसानों के साथ धरने पर बैठे हैं, उन्होंने कहा कि अमरोहा जिले में पूरी तरह से जंगल राज सा नजर आ रहा है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि जुबिलेंट फैक्ट्री के ऊपर सरकार या प्रशासन के द्वारा अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गयी और ना ही किसानों के पानी में कोई सुधार किया गया। इससे नाराज होकर 5 अप्रैल को एक महापंचायत बुलाने का ऐलान किया है।

अमरोहा के नवागत एसपी ने पुलिस अधिकारियों संग की बैठक

टॉप-टेन अपराधियों ने अपराध किया तो थाना प्रभारी की होगी जवाब देही:- एसपी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नवागत पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह यादव ने पुलिस कार्यालय में जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना/शाखा प्रभारियों के साथ एक परिचय बैठक की। इस दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक, सभी क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक एलआईयू, एसओजी प्रभारी और जनपद के सभी थाना/शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। बता दें कि बुधवार को आयोजित इस बैठक में पुलिस अधीक्षक ने शराब, खनन, पशु, वन और भूमाफिया जैसे संगठित अपराधियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इन अपराधों में संलिप्त अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई कार्रवाई और उनके विरुद्ध दर्ज मुकदमों में वांछित अभियुक्तों की

स्थिति की समीक्षा की।उन्होंने गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मामलों में धारा 14(1) के अंतर्गत अपराधियों की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई को कड़ाई से लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही, जनपद में खनन, शराब, पशु, वन और भूमाफियाओं को अभियान चलाकर चिह्नित करने, उनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज करने और कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि यदि 'टॉप-10' अपराधियों द्वारा किसी अन्य क्षेत्र में अपराध किया जाता है, तो इसके लिए संबंधित प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने महिला संबंधी अपराधों और पॉक्सो एक्ट के मामलों में प्रभावी पैरवी कर अभियुक्तों को जल्द से जल्द सजा दिलाने को प्राथमिकता बताया। सभी क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने सर्किल में ऐसे मामलों को चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि थाने पर आने वाले आगंतुकों और फरियादियों के साथ विनम्र और शालीन व्यवहार किया जाए।

थानों में स्वच्छ वातावरण स्थापित कर उनके बैठने, स्वच्छ पेयजल और शौचालय आदि की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता बिना किसी भय के अपनी शिकायतें लेकर थानों पर आ सके।उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि थाने पर आने वाले सभी आगंतुकों/फरियादियों की समस्याओं को शालीनतापूर्वक सुना जाए और तत्काल निष्पक्ष, आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

नवागत एसपी ने पुलिस कार्यालय सभागार में पत्रकारों के साथ की प्रेसवार्ता

कानून व्यवस्था एवं पुलिस कार्यप्रणाली के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर की विस्तृत चर्चा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नवागत पुलिस अधीक्षक अमरोहा लाखन सिंह यादव द्वारा पुलिस कार्यालय स्थित सभागार में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकार बन्धुओं के साथ गोष्ठी कर जनपद की कानून व्यवस्था एवं पुलिस कार्यप्रणाली से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बता दें कि बुधवार को आयोजित इस गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में आने वाले सभी फरियादियों की शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर

सुनिश्चित किया जा रहा है साथ ही, शासन द्वारा चलाए जा रहे अभियानों के अंतर्गत अमरोहा पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए अपराध एवं अपराधियों पर सतत निगरानी रखी जायेगी। उन्होंने बताया कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु पुलिस द्वारा निरंतर गश्त, चेकिंग अभियान एवं अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। आमजन की सुरक्षा एवं विश्वास को सर्वोपरि रखते हुए पुलिस पूरी तत्परता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकार बन्धुओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का पुलिस अधीक्षक द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया तथा पुलिस-जन सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने पर बल दिया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत जलीलपुर बक्काल त0 अमरोहा (अमरोहा)

पत्रांक : / ग्रा0पं0 / 2026 दिनांक :- 02.04.2026

मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना :-

ग्राम पंचायत जलीलपुर बक्काल (विकास खंड अमरोहा) द्वारा टी - 1 शर्तों के अधीन शासकीय / अर्द्धशासकीय विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से 15 बा वित्त/ 5 बा राज्य वित्त/मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत जलीलपुर बक्काल में विकास कार्य / सप्लाई एंव फिक्सिंग कार्यों हेतु दिनांक 03.04.2026 प्रातः 10.00 से दिनांक 11.04. 2026, की शाम 03.00 बजे तक मैनुअल निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 11.04.2026, को सांय : 04.00 बजे से कार्यालय ग्राम पंचायत जलीलपुर बक्काल में खोली जायेगी। निविदा अभिलेख एंव शर्तें दिनांक 03.04.2026 समय प्रातः 10-00 बजे से कार्यालय दिवस में उपस्थित होकर व कार्यालय ग्राम पंचायत जलीलपुर बक्काल के निविदा नोटिस बोर्ड पर देखी / प्राप्त की जा सकती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है । विस्तृत सूचना किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा खोले जाने की दिनांक को अवकाश की स्थिति में अगला कार्य दिवस माना जायेगा।

Tender Reference	/Rural/2026
Publish Date And Time For Tender	03.04.2026, 10.00A.M
Start date of Tender	04.04.2026, 10.00A.M
Last date and time for submission Tender	11.04.2026, 03.00P.M
Date and time of opning Tender	11.04.2026, 04.00 P.M
Place of opning Tender	Office Gram Panchayat Jalilipur vakkal
Tender Document Processing	
Last date and time for submission Tender	
Finanical bid opning After Evaluation of Technical Bids	

नोटः-
2 - निविदादाता को प्रत्येक कार्य हेतु अलग-अलग निविदा धरोहर राशि 5 प्रतिशत (एटऊ) एफ०डी०आर० / टी०डी०आर० / एन०एस०सी० के रूप में जो ग्राम पंचायम जलीलपुर बक्काल के पदनाम से बंधक कराकर अथवा इंडीयन बैंक शाखा अमरोहा में ग्राम पंचायत जलीलपुर बक्काल के खुले खाता में ऑनलाईन जमाकर / बैंक जमा स्लिप) प्रमाण पत्र कॉपी संलग्न करनी अनिवार्य होगी ।
3- निविदादाता को निविदा शुल्क एंव धरोहर राशि 2 प्रतिशत (एटऊ) की बैंक द्वारा जारी जमा की स्लिप / प्रमाण पत्र मूल रूप में दिनांक 11.04.2026 को अपरान्ह 03.00 बजे तक अन्य अनिवार्य प्रपत्रों सहित कार्यालय ग्राम पंचायत जलीलपुर बक्काल में रखें टैण्डर बॉक्स में डालने अनिवार्य है। बिना धरोहर धनराशि` टैण्डर मूल्य धनराशि के किसी भी निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।

पंचायत सचिव ग्राम पंचायत जलीलपुर बक्काल (अमरोहा)

प्रधान ग्राम पंचायत जलीलपुर बक्काल, (अमरोहा)

फार्मर रजिस्ट्री से जुड़ें सभी किसान, एकीकृत डिजिटल प्रणाली से मिलेगा योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

-मुख्यमंत्री ने दिए फार्मर रजिस्ट्री के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाने का निर्देश

लखनऊ (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री को व्यापक स्तर पर लागू करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी किसानों का पंजीकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि यथाशीघ्र प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष शिविर आयोजित कर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान इस व्यवस्था से वंचित न रहे।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर कृषि विभाग की बैठक में कहा कि राज्य सरकार फार्मर रजिस्ट्री को कृषि क्षेत्र में एकीकृत लाभ वितरण प्रणाली के रूप में विकसित कर रही है। इसके अंतर्गत कृषि विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की सभी लाभार्थीपरक योजनाओं को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जा रहा है, जिससे किसान को विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही पहचान के आधार पर सरल और व्यवस्थित तरीके से प्राप्त हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं में यदि लाभार्थियों के नाम या अभिलेखों में कोई त्रुटि अथवा असंगति है तो उसे आधार से लिंक कर प्राथमिकता के आधार पर संशोधित किया जाए। साथ ही प्रत्येक पात्र किसान का किसान पहचान पत्र बनवाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजनाओं के लाभ वितरण में किसी प्रकार की बाधा न आए और पात्रता का सत्यापन सुगम हो सके।
मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि विभाग अपनी सभी योजनाओं को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ने के लिए आवश्यक तकनीकी व्यवस्था निर्धारित समयसीमा में तैयार करे और विभागीय पोर्टल को 01 मई 2026 तक पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाया जाए। इसके माध्यम से लाभार्थियों के चयन और लाभ वितरण की प्रक्रिया को डिजिटल एवं एकीकृत रूप में संचालित किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता एवं लघु सिंचाई जैसे सहयोगी विभाग भी अपनी योजनाओं में किसान पहचान पत्र के उपयोग के लिए कृषि विभाग के साथ समन्वय स्थापित करें और 31 मई 2026 तक आवश्यक तैयारियां पूरी कर लें, ताकि सभी विभागों में एक समान व्यवस्था लागू हो सके।
मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी और लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक जटिलताएं समाप्त होंगी। इससे संसाधनों का लक्षित उपयोग संभव होगा तथा विशेष परिस्थितियों में आवश्यक कृषि इनपुट का वितरण अधिक व्यवस्थित तरीके से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के लागू होने से योजनाओं का लाभ पारदर्शी ढंग से किसानों तक पहुंचेगा और एक ही लाभार्थी को बार-बार लाभ मिलने की स्थिति की समीक्षा भी सहज रूप से की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि इस कार्य को गंभीरता से लेते हुए समयसीमा के भीतर पूर्ण करें और इसकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करें। इस बैठक में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मुख्य सचिव एसपी गोयल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

खेत पर काम कर रहे युवक पर दबंगों ने झोंका फायर,घायल अवस्था में झांसी रेफर

महोबा (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में खेत पर काम कर रहे युवक पर आपसी रंजिश को लेकर दबंगों ने फायर झोंक दिया, जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर किया गया है। घटना के बाद पुलिस आरोपितों की तलाश में जुट गई है। जनपद के कबरई थाना क्षेत्र के गांव रैवारा निवासी अरुण पुत्र बलवीर (24) अपने खेत पर मंगलवार की देर शाम काम कर रहा था। तभी बाईकों पर सवार होकर आए दबंगों ने गाली गलौच शुरू कर दिया और विरोध करने पर तमंचे से फायर झोंक दिया। गोली अरुण के हाथ में लगी, जिससे वह अचेत होकर जमीन पर गिर गया। घायल के चाचा रमाकांत ने बताया कि 7 बाईकों में लगभग 12 लोग आए, जिनमें सुमित और सुभाष तमंचा लिए थे। जहां सुमित ने भतीजे को गोली मार दी। आनन फानन में घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज झांसी के लिए रेफर किया गया है। कबरई थाना प्रभारी सतवेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि अभी किसी भी प्रकार की तहरीर नहीं मिली है,आरोपितों की तलाश की जा रही है, जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

सुलतानपुरः मुठभेड़ में एक घायल समेत गौकशी के तीन आरोपित गिरफ्तार

सुलतानपुर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश में जिला सुलतानपुर के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में एक घायल गौकश सहित तीन को गिरफ्तार किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने बुधवार को बताया कि सूचना मिली थी कि एक मोटरसाइकिल पर तीन संदिग्ध व्यक्ति जा रहे हैं। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इटकौली जंगल के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगे और फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में अफरोज (28) के पैर में गोली लग गई। मौके से दो अन्य आरोपितों, मोहम्मद गुलफाम उर्फ इमरान और आजाद–को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, दो खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। घायल आरोपित को इलाज के लिए सीएचसी जयसिंहपुर भेजा गया है। इन्हीं आरोपितों को छोड़ने के आरोप में कल ही गोसाईगंज थाना अध्यक्ष एक उपनिरीक्षक व मुख्य आरक्षी को पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने निलंबित कर दिया था।

अमित शाह के बाद शिवराज सिंह चौहान से मिले केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (एजेंसी) । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में मंगलवार देर रात भेंट की। उसके बाद बुधवार को केशव प्रसाद मौर्य ने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट की है। उप मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री अमित से भेंट की अपनी फोटो सोशल मीडिया पर भी शेयर की है। केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा कि नई दिल्ली में नक्सल-मुक्त भारत के संकल्प को सिद्ध करने वाले हम सभी कार्यकताओं के प्रेरणास्त्रोत एवं मार्गदर्शक केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। साथ ही, विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।

यूपी ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन स्पाइनल स्पेशल कोर्स एवं प्रथम बीएचयू स्पाइन कैडर कोर्स 19 अप्रैल से

वाराणसी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में 12वां उत्तर प्रदेश ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (यूपीओए) स्पेशल कोर्स इन स्पाइन आगामी 19 अप्रैल को इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रथम बीएचयू स्पाइन कैडर कोर्स 18 अप्रैल को आईएमएस बीएचयू में ही आयोजित होगा। ये दोनों कार्यक्रम राज्य और राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित फैकल्टी की उपस्थिति में रीढ़ की हड्डी से संबंधित समस्याओं के नवीनतम सिद्धांतों, निदान और उपचार पद्धतियों पर केन्द्रित होंगे। कार्यक्रम में ऑर्थोपेडिक सर्जन, स्पाइन विशेषज्ञ, प्रशिक्षु और स्पाइन केयर में रुचि रखने वाले अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों सहित लगभग 80झ्र100 प्रतिभागियों के भाग लेने की उम्मीद है। आयोजक अध्यक्ष प्रो. अजीत सिंह (ऑर्थोपेडिक्स) ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसमें प्रमुख विषय, डिस्क सम्बंधित समस्याएँ, स्पाइनल डीजेनेरेशन (घिसावट), विकृति (डीफॉर्मिटी), संक्रमण और अन्य रीढ़ संबंधी विकार रहेंगे। कार्यक्रम में लक्षित व्याख्यान, केस प्रस्तुतियां, इंटरैक्टिव चचाएं और पैनल प्रश्नोत्तर होंगे। इसमें फैकल्टी, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित स्पाइन विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में ऑर्थोपेडिक सर्जन, न्यूरो सर्जन (स्पाइन में रुचि रखने वाले), प्रशिक्षु, फिजियोथेरपिस्ट और स्पाइन केयर में संलग्न अन्य सहयोगी स्वास्थ्य पेशेवर भाग ले सकेंगे। इसके लिए पंजीकरण विभाग ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हो रहा है।

एनपीएस के विरोध और पुरानी पेंशन की बहाली की मांग को लेकर अटेवा ने मनाया काला दिवस

लखनऊ (एजेंसी) । आल टीचर्स एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु ने बताया कि पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की बहाली के लिए आज 01 अप्रैल को पूरे प्रदेश के शिक्षक व कर्मचारी काली पट्टी बांधकर सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2005 को पुरानी पेंशन व्यवस्था को समाप्त कर नयी पेंशन योजना (एनपीएस) लागू कर दिया गया था। इस व्यवस्था को लागू हुए 20 वर्ष से अधिक हो चुके हैं और काफी शिक्षक व कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं। इस व्यवस्था में रिटायर हो चुके लोगों को बुढ़ापे में दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही है। इसलिए प्रदेश के शिक्षक व कर्मचारी बुधवार को अपने अपने कार्य स्थल पर काली पट्टी बांधकर सरकार से एनपीएस व यूपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन व्यवस्था (ओपीएस) लागू करने की मांग कर रहे हैं।
उन्होंने कहा कि एनपीएस शिक्षकों कर्मचारियों के लिए काला कानून है क्योंकि यह काला कानून 1 अप्रैल 2005 को लागू हुआ था। इसीलिए अटेवा प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल को काला दिवस मनाता आ रहा है जिसमें सभी विभागों के शिक्षक कर्मचारी अपने अपने कार्यस्थलों पर बांह में काली पट्टी बांध कर विरोध प्रकट कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सवर्ण मोर्चा को दिया आश्वासन

लखनऊ (एजेंसी) । यूजीसी के 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना' (संशोधन) विनियम, 2026 के विरोध में सवर्ण मोर्चा के एक प्रतिनिधिमण्डल ने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मुलाकात की। इस पर उपमुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर दिल्ली नेतृत्व से बात करने का
आश्वासन दिया है। बुधवार को सवर्ण मोर्चा के एक प्रतिनिधिमण्डल अभिनव नाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से उनके सरकारी आवास पर मिला। सवर्ण मोर्चा के संदीप सिंह ने बताया कि यूजीसी काला कानून सवर्ण समाज के साथ अन्याय है। उपमुख्यमंत्री पाठक ने सवर्ण मोर्चा के पदाधिकारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि हम सबको साथ लेकर चलते हैं। किसी भी कीमत पर किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। इस मुद्दे पर हम दिल्ली नेतृत्व से बात करेंगे। इस अवसर पर ब्रजेश पाठक ने पत्रकारों से बात करते हुए सपा की कड़ी आलोचना की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के लोग बहुरूपिये हैं, जब सत्ता में होते हैं तब दलित विरोधी होते हैं। महिला आरक्षण का विरोध किया, बिल फाड़कर फेंक दिया। अब जब सत्ता में नहीं हैं तो हाय सत्ता– हाय सत्ता की भूख सता रही है। इनके कुकृत्य सब जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह दलित विरोधी हैं व पिछड़ा विरोधी हैं। इन्हें आम जनता से कोई लेना देना नहीं है। यह केवल सैफई का विकास चाहते हैं। सपा के नेता केवल जनता को गुमराह करना चाहते हैं।

पूर्व विधायक विजय सिंह के घर में हुए विस्फोट में घायल पूर्व प्रधान की मौत

फरुर्खाबाद (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले में पूर्व विधायक विजय सिंह के आवास पर हुए विस्फोट में घायल समर्थक पूर्व प्रधान भैया लाल चौहान की मौत हो गई। मालूम हो कि थाना मऊदरवाजा के ग्राम नूरपुर निवासी पूर्व प्रधान भैया लाल का कानपुर में इलाज चल रहा था। पूर्व विधायक विजय सिंह के आवास पर हुए विस्फोट में उनके बेटे सिक्की, विक्की एवं भैया लाल सहित आधा दर्जन लोग घायल हो गए थे। जिनके विरोध में नखास चौकी इंचार्ज इमरान फरीद ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दर्ज कराई रिपोर्ट में घुमना चौकी इंचार्ज इमरान फरीद ने कहा है कि 17 मार्च 26 को समय करीब 6 बजे शाम हमराह सिपाही मलखान सिंह साहबगंज चौराहे पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। तभी दो घायल व झुलसे हुए व्यक्ति भारत नर्सिंग होम की तरफ ई-रिक्शा में कुछ लोग लेकर जा रहे थे। मेरे द्वारा रोककर पूछा गया तो उन्होंने बताया कि दोनों घायल व झुलसे हुए व्यक्ति पूर्व विधायक विजय सिंह के लड़के अभिनाश उर्फ विक्की व अभिषेक उर्फ सिक्की हैं। इनके घर में भयानक विस्फोट हो गया है। जिसमें 5 से 6 लोग घायल हो गए हैं, कुछ लोग वहीं मौके पर पड़े हैं। इस सूचना पर मैं हमराही के साथ पूर्व विधायक विजय सिंह के आवास स्थित मोहल्ला नाला मछरट्टा पहुंचा, तो देखा कि घर के बाहर पब्लिक के लोग काफी जमा थे और पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल था। लोग चीख पुकार कर रहे थे। गेट के अंदर घुसते ही फर्श टूटा पड़ा था और बेसमेंट की छत उखड़ गई थी और उसमें रखा सारा सामान बिखरा पड़ा था। मलबे में एक व्यक्ति भैयालाल पुत्र हरिकिशन निवासी नूरपुर थाना मऊदरवाजा मलबे में बुरी तरह घायल अवस्था में दबा पड़ा था, जिसको हमराही की मदद से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पूछने पर लोगों ने बताया कि अन्य घायलों में विक्की व सिक्की के अलावा कुछ अन्य लोग और भी हैं जिनके नाम ईशू चौरसिया पुत्र धनश्याम चौरसिया उम्र करीब 29 वर्ष निवासी मोहल्ला नाला मछरट्टा, रामवीर यादव पुत्र अजय राज उम्र करीब 60 वर्ष निवासी रेलवे स्टेशन फरुर्खाबाद, रानू मिश्रा पुत्र वीरेंद्र मिश्रा निवासी मितूकपुर, उम्र करीब 35 वर्ष, भैयालाल पुत्र हरिकिशन उम्र करीब 40 वर्ष निवासी नूरपुर थाना मऊदरवाजा और बाकी अन्य लोगों को जनता द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया है। साहस कर मेरे द्वारा टूटे हुए बेसमेंट में देखा गया तो उसमें से विस्फोटक पदार्थ की बू आ रही थी और दीवारों पर खून के धब्बे लगे थे। पूरे मकान की तीसरी मंजिल तक खिड़की, दरवाजे, ग्रिल, छत और लैंटर बुरी तरह क्षतिग्रस्त पड़े थे। आसपास के लोगों ने बताया कि समय करीब लगभग 7.30 बजे के आसपास तेज धमाके के साथ पूरी बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो गयी। उसमें मौजूद लोग घायल हो गये। मौके की स्थिति से यह स्पष्ट है कि मकान में मौजूद उक्त लोगों द्वारा अवैध विस्फोटक पदार्थ संग्रह कर निर्माण किया जा रहा था, जिस कारण यह घटना घटित हुई और लोगों की जान का खतरा उत्पन्न हो गया। फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

वाराणसी के रेवड़ी तालाब मदरसे में लिफ्ट टूट कर गिरने से युवक की मौत, एक अन्य घायल

वाराणसी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर के भेलूपुर थाना क्षेत्र के पांडेय हवेली रेवड़ी तालाब स्थित मदरसा जामिया हमीदिया रिजविया में मंगलवार देर रात लिफ्ट टूट कर गिरने से उसमें सवार एक युवक की मौत हो गई। वहीं, एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की जानकारी पाते ही रेवड़ीतालाब चौकी प्रभारी मातहत पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए और घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए बीएचयू ट्रामा सेंटर भिजवाया। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृत युवक की पहचान मदनपुरा निवासी आसिफ आदिल (22) के रूप में हुई। घायल युवक मदनपुरा का ही हसनैन रजा (20) बताया गया है। मदरसा जामिया हमीदिया रिजविया में मंगलवार देर शाम निकाह के कार्यक्रम में शरीक होने के लिए दोनों युवक आए थे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दोनों चार मंजिला मदरसा के कम्युनिटी हाल में जाने के लिए लिफ्ट पर सवार हुए। इसी दौरान नीचे जा रही लिफ्ट अचानक फेल होकर तीन मंजिल नीचे आ गिरी। इसमें सवार आसिफ आदिल की मौके पर ही मौत हो गई। माना जा रहा है कि लिफ्ट का वायर टूटने के कारण यह दुर्घटना हुई। भेलूपुर एसीपी गौरव कुमार ने पत्रकारों को बताया कि पीड़ित परिवार की ओर से तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटना की वजह जानने के लिए जांच पड़ताल कर रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि रेवड़ी तालाब चौकी प्रभारी ने सक्रियता दिखाते हुए घायल को अस्पताल भिजवाया। घायल युवक का इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। भेलूपुर पुलिस ने मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ऑरेंज अलर्ट के बीच प्रयागराज सहित कई जिलों में तेज हवा और बारिश

प्रयागराज (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश में आने वाले चौबीस घंटे के दौरान आसमान में बादल छाए रहने और 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चलने वाली हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। हालांकि बुधवार की भोर से ही प्रयागराज में तेज हवाओं के साथ रुक रुककर बारिश भी हुई है। सचेत ऐप के माध्यम से प्राप्त मौसम विभाग की सूचना के अनुसार अगले तीन घंटों के भीतर प्रदेश के कई जनपदों में बिजली, मध्यम बारिश और तेज हवाओं के साथ तूफान की संभावना जताई गई है। इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि मौसम वैज्ञानिक डॉ एस.एन.सुनील पांडेय का कहना है कि ऐसा मौसम आने वाले चौबीस घंटे बने रहने की संभावना है। अलर्ट के दायरे में अंबेडकरनगर, अमेठी, अयोध्या, आजमगढ़, बहराईच, बाराबंकी, बस्ती, भदोही, गोंडा, हरदोई, जौनपुर, लखनऊ, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, सीतापुर, सुल्तानपुर और उन्नाव जनपद शामिल हैं। इन क्षेत्रों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। प्रयागराज में देर रात करीब 2 बजे से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ है। हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। बीच-बीच में रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहा और सुबह करीब 7:30 बजे तक मेघ गर्जन के साथ बूंदाबांदी होती रही। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, विशेषकर खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

निजी संपत्ति पर नमाज पढ़ने पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, शांतिभंग होने पर प्रशासन कार्रवाई के लिए स्वतंत्र

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए स्पष्ट किया है कि व्यक्तिगत सुरक्षा और निजी संपत्ति की आड़ में सार्वजनिक व्यवस्था और शांति को खतरे में नहीं डाला जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए स्पष्ट किया है कि व्यक्तिगत सुरक्षा और निजी संपत्ति की आड़ में सार्वजनिक व्यवस्था और शांति को खतरे में नहीं डाला जा सकता। कोर्ट ने याचियों को निजी संपत्ति पर भीड़ जुटाकर नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी है। साथ ही कहा कि शांति व्यवस्था भंग होने पर प्रशासन कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने तारिक खान की याचिका पर दिया है। बरेली निवासी याची तारिक खान ने रमजान के दौरान निजी संपत्ति पर नमाज पढ़ने से रोक लगाने और शांति भंग में किए गए चालान को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। इस मामले में कोर्ट ने बरेली की डीएम और एसएसपी को तलब किया था। न्यायालय के पूर्व आदेश के अनुपालन में बरेली के जिला मजिस्ट्रेट और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुए। सुनवाई के दौरान अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने शासन का पक्ष रखते हुए न्यायालय को अवगत कराया कि याचिकाकर्ता सुरक्षा की आड़ में नियमों का दुरुपयोग कर रहा है। हलफनामे और साक्ष्यों के माध्यम से अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की निजी संपत्ति पर प्रतिदिन 52 से 62 लोग नमाज के लिए एकत्रित हो रहे हैं, जिससे क्षेत्र की सांप्रदायिक शांति और सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा हो रहा है। कानून और व्यवस्था बनाए रखना अधिकारियों का प्राथमिक कर्तव्य है, और ऐसी प्रथाओं को जारी रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती जो सार्वजनिक शांति में व्यवधान डालें। 16 जनवरी को किया गया चालान वापस लेने का निर्देश न्यायालय के कड़े रुख को देखते हुए याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजेश कुमार गौतम ने अदालत को आश्वस्त किया कि भविष्य में उक्त संपत्ति पर नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोगों को एकत्रित नहीं किया जाएगा। इस वचन को रिकॉर्ड पर लेते हुए हाईकोर्ट ने उम्मीद जताई कि याचिकाकर्ता अपने वादे का पालन करेगा। हालांकि, पीठ ने कड़े शब्दों में कहा कि यदि इस वचन का उल्लंघन होता है और नमाज के बहाने भीड़ जुटाई जाती है, जिससे क्षेत्र की शांति प्रभावित होती है, तो जिला प्रशासन और पुलिस कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र होंगे। इसी क्रम में, न्यायालय ने राज्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता और अन्य

संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध 16 जनवरी 2026 को जारी किए गए चालान तत्काल वापस लिए जाएं और इस मामले में पूर्व में जारी किए गए अवमानना नोटिसों को भी रद्द कर दिया गया। साथ ही कोर्ट ने पूर्व में हसीन खान को दी गई सुरक्षा प्रशासन को वापस लेने का निर्देश दिया। इन टिप्पणियों और दिशा-निर्देशों के साथ उच्च न्यायालय ने रिट याचिका का निस्तारण कर दिया।

सरकारी पशु अस्पताल में दवाइयों का अभाव, पशुपालकों में आक्रोश

रायपुर सादात/बिजनौर (सब का सपना):- रायपुर सादात स्थित सरकारी पशु चिकित्सालय की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय पशुपालकों में भारी रोष व्याप्त है। आरोप है कि अस्पताल केवल नाम का रह गया है, जबकि यहां जरूरी एंटीबायोटिक दवाइयों तक का अभाव बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार बीमार पशुओं को लेकर जब वे अस्पताल पहुंचते हैं, तो उन्हें उपचार के बजाय खाली अलमारी और कर्मचारियों के बहाने ही मिलते हैं। इससे पशुओं का इलाज समय पर नहीं हो पा रहा और पशुपालकों को निजी खर्च पर बाहर से दवाइयां खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि सरकारी रिकॉर्ड में दवाइयों की सप्लाई और बजट दर्शाए जाने के बावजूद अस्पताल में एंटीबायोटिक दवाएं आखिर कहां गायब हो रही हैं। लोगों का आरोप है कि पशु चिकित्सा सेवाओं के नाम पर केवल कागजी कार्यवाही की जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बेहद खराब हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बीमार पशु तड़प रहे हैं और पशुपालक परेशान हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। इससे सरकारी व्यवस्था पर ग्रामीणों का भरोसा कमजोर होता जा रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन और पशुपालन विभाग से तत्काल संज्ञान लेते हुए अस्पताल में दवाइयों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने और लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

बीच सड़क दबंगई का वीडियो वायरल, पिता-पुत्र की पिटाई से मचा हड़कंप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना नांगल क्षेत्र के गौसपुर गांव में दबंगों द्वारा पिता-पुत्र की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी अमर सिंह और उनके पुत्र कुंवर पाल को दबंगों ने बीच सड़क पर घेरकर जमकर पीटा, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर दोनों को बचाया।

बताया जा रहा है कि इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दबंगों की खुलेआम दबंगई देखी जा सकती है। बावजूद इसके पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन पर दबाव बनाकर समझौता कराने की कोशिश की गई।

पीड़ितों का यह भी आरोप है कि वीडियो वायरल होने के बावजूद पुलिस ने मामले में एफआर (फाइनल रिपोर्ट) लगाकर कार्रवाई से पल्ला झाड़ लिया।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। मामले को लेकर उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

दिनदहाड़े कपड़ा व्यापारी के घर हुई चोरी, पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर (सब का सपना):- चांदपुर क्षेत्र के हीमपुर दीपा गांव में दिनदहाड़े कपड़ा व्यापारी के घर हुई चोरी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। अज्ञात चोर सूने घर का फायदा उठाकर नकदी और लाखों रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गए, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार बंसल क्लॉथ हाउस के मालिक मुनीस बंसल का परिवार दोपहर करीब 12 बजे किसी कार्य से घर से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान चोर मुख्य गेट की खिड़की खोलकर घर में दाखिल हुए और अंदर रखे कीमती सामान को खंगाल डाला। वारदात को अंजाम देकर चोर आराम से फरार हो गए।

व्यापारी हार्दिक कुमार गुप्ता ने बताया कि चोर घर से करीब 75 हजार रुपये नकद और लगभग 4 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान में सोने की अंगूठियां, कानों की बालियां, मंगलसूत्र, चांदी की पाजेब और सिक्के शामिल हैं। घर के कमरों में सामान बिखरा मिला, जिससे साफ है कि चोरों ने पूरी योजना के तहत वारदात को अंजाम दिया।

चोरों ने रसोई गैस सिलेंडर भी ले जाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहने पर उसे मुख्य दरवाजे पर ही छोड़ दिया। घटनास्थल से एक टोपी भी बरामद हुई है, जिसे पुलिस अहम सुराग मानकर जांच में जुटी है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। इस घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोगों ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

सड़क हादसे मे बिजली विभाग के संविदा कर्मी की मौत

स्योहारा/ बिजनौर (सब का सपना):- मंगलवार देर रात सड़क हादसें मे बिजली विभाग के संविदा कर्मी की मौत हो गयी। जिससे परिजनों मे कोहराम मच गया। पुलिस ने पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम को भेज जांच शुरू कर दी है। नगर के मोहल्ला इस्लामनगर निवासी 22 बर्षिय विनित पुत्र महिपाल उमरपुर क्षेत्र मे बिजली के बिल निकालने का कार्य करता था। मंगलवार को वह उमरपुर क्षेत्र से वापस अपने घर आ रहा था कि दक्ष स्कूल के पास उसकी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गयी। जिसमे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया । राहगीरों की मदद से उसे सरकारी अस्पताल लाया गया। जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृतक घोषित कर दिया । पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । मृतक विनित की शादी 8 मार्च को क्षेत्र के गांव लाम्बाखेड़ा निवासी मुखराम की बेटी सीमा से हुई थी । परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है । विनित की तीन बहन व एक भाई है ।

वह दो बहनों से छोटा था । परिवार की जिम्मेदारी और पिता की घर चलाने मे मद्दत करता था । विनित के पिता का कहना है कि जांच होनी चाहिए कि वह खुद गया था या किसी ने उसे बुलाया था ।

ऑटो चालक महिला का बैग लेकर फरार, पुलिस की सतर्कता से मिला वापस

हापुड़/पिलखुवा(सब का सपना):- जनपद के पिलखुवा क्षेत्र में यातायात पुलिस की सतर्कता और तत्परता का सराहनीय उदाहरण सामने आया है। एक ऑटो चालक महिला का बैग लेकर फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने तेजी दिखाते हुए कुछ ही समय में आरोपी को पकड़कर महिला का सामान सुरक्षित बरामद कर लिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार पिलखुवा निवासी मंजू , अपने मायके शाहदरा से अपने बच्चों के साथ डासना-मसूरी क्षेत्र से ऑटो में सवार होकर अपने घर लौट रही थीं। जैसे ही वह पिलखुवा बस अड्डे पर पहुंचीं, ऑटो चालक अचानक उनके दो बैग लेकर मौके से फरार हो गया।बैग में करीब 40 हजार रुपये का कीमती सामान रखा हुआ था, जिससे महिला घबरा गई। हालांकि महिला ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ऑटो का नंबर नोट कर लिया और तुरंत मौके पर मौजूद यातायात पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक कामेश सिंह, ने बिना देर किए वायरलेस के माध्यम से संदेश प्रसारित कर टीम को अलर्ट कर दिया।यातायात पुलिस की मुस्तैदी का परिणाम रहा कि कुछ ही दूरी पर संदिग्ध ऑटो को रोक लिया गया।जांच के दौरान महिला के दोनों बैग बरामद कर लिए गए और उन्हें सुरक्षित वापस सौंप दिया गया। सामान मिलने पर महिला और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली और यातायात पुलिस का आभार व्यक्त किया।वहीं स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस त्वरित और सराहनीय कार्रवाई की प्रशंसा की। यह घटना दशार्ती है कि समय पर सूचना और पुलिस की सक्रियता से अपराधों पर शीघ्र नियंत्रण पाया जा सकता है।साथ ही यह लोगों के लिए भी संदेश है कि यात्रा के दौरान सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें।

अज्ञात वाहन की टक्कर से गुलदार की मौत

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर रोड स्थित गांव चंचलपुर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से एक गुलदार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो गुलदार मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। जिससे पूरे गांव में स्तब्धता और दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र के विभिन्न गांवों में गुलदार की आवाजाही देखी जा रही थी। जिससे ग्रामीणों में लगातार भय बना हुआ था। इसको लेकर वन विभाग भी सतर्क था और गुलदार को पकड़ने के लिए क्षेत्र में पिंजरा भी लगाया गया था। लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद गुलदार पकड़ में नहीं आ सका। इसी बीच अचानक आई इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया और लोगों को एक तरह से राहत के साथ-साथ हैरानी भी हुई कि जिस गुलदार से वे भयभीत थे उसकी इस तरह मौत हो गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। विभाग ने गुलदार के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों के अनुसार मृत गुलदार की उम्र लगभग तीन वर्ष बताई जा रही है। जबकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मौके पर डिप्टी रेंजर विजय भारत, वन रक्षक नरेश कुमार और हरीश कुमार सहित वन विभाग की टीम मौजूद रही, जिन्होंने आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की।

ब्लॉक प्रमुख ने स्कूल चलो अभियान को दिखाई हरी झंडी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के पीएम श्री विद्यालय दाऊद सराय में ह्यस्कूल चलो अभियानह्न का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्कूल चलो अभियान की भव्य रैली का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने किया। रैली में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नारे लगाते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार, प्रधानाध्यापक बरन सिंह तथा अन्य शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने कहा कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जो समाज को आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए उन्हें नियमित रूप से स्कूल आने के लिए प्रेरित किया। खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार ने कहा कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत स्कूलों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा ताकि बच्चों को शिक्षा के प्रति आकर्षित किया जा सके। प्रधानाध्यापक बरन सिंह ने कहा कि स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

एनसीईआरटी के नाम पर निजी किताबों का 'बोझ': संभल के 33 स्कूलों पर लगा था जुमार्ना

संभल। : नए शिक्षा सत्र की शुरूआत यानी एक अप्रैल से हो रही है। इसी के साथ ही अभिभावकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पहले से ही प्राइवेट स्कूलों की बढ़ती फीस का बोझ झेल रहे अभिभावकों को अब कापी-किताबों की खरीद को लेकर भी अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ रहा है। कई स्कूल प्रबंधन अभिभावकों को एक ही तय दुकान से कापी-किताबें खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं। इसके लिए बाकायदा पर्ची दी जा रही है और स्कूल के वाट्सएप ग्रुप में भी दुकान का नाम साझा किया जा रहा है, जिससे अभिभावकों के सामने विकल्प खत्म हो रहे हैं। इतना ही नहीं, दुकानों पर दाम पारदर्शी किए गए हैं और न ही पक्का बिल दिया जा रहा है।अभिभावकों का आरोप है कि यह पूरी व्यवस्था एक सुनियोजित खेल का हिस्सा है, जिसमें स्कूल और दुकानदार मिलकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। कई बार पक्का बिल मांगने पर भी दुकानदार द्वारा कोई जबाव नहीं दिया जाता है। मंगलवार को शहर के सूर्यकुंड मंदिर के नजदीक किताब गोदाम के बाहर अभिभावकों की भारी भीड़ देखने को मिली। किताबें खरीदने के लिए लोगों में धक्का-मुक्की तक की नौबत आ गई। कई लोगों ने बताया कि उनके पास विकल्प ही नहीं है और दूसरी दुकानों पर स्कूलों की कापी किताबें मिल नहीं रही हैं।

क्योंकि स्कूल प्रबंधन ने तय दुकान से ही किताबें खरीदने के निर्देश दिए हैं। कई निजी स्कूल एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के साथ-साथ निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें भी अनिवार्य कर रहे हैं। जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में एनसीईआरटी की सस्ती और मानक पुस्तकों से पढ़ाई पर जोर दिया गया है। इसके बावजूद निजी किताबों का बोझ अभिभावकों पर डाला जा रहा है। वीडियो जारी कर महिला ने की कार्रवाई की मांग नगर की महिला शाहीन जमाल ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि प्राइवेट स्कूल कापी-किताबों और यूनिफार्म के लिए एक ही दुकान तय कर अभिभावकों को मजबूर कर रहे हैं। उन्होंने इसे सीधा आर्थिक शोषण बताते हुए सिटी मजिस्ट्रेट से कार्रवाई की मांग की है।वीडियो में कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर भी बेहद कमजोर है, जिससे गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकारी स्कूलों में नियमित जांच और निजी स्कूलों की मनमानी पर सख्त रोक लगाने की मांग की, जिससे अभिभावकों को राहत मिल सके। पिछले साल डीएम ने लगाया था 33 स्कूलों पर जुमार्ना

पिछले शैक्षिक सत्र में जिले के प्राइवेट स्कूलों द्वारा महंगी निजी प्रकाशकों की किताबें थोपने और अभिभावकों को तय दुकानों से खरीदारी के लिए मजबूर करने के मामले में जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया ने कार्रवाई की थी। 12 अप्रैल 2025 को गठित जांच टीम की रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर 17 अप्रैल को जिला शुल्क नियामक समिति की संस्तुति के बाद जिले के प्रतिष्ठित 33 स्कूलों पर एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। डीएम ने चेतावनी दी थी

टोल से गुजर रहे बिना नंबर प्लेट ओवरलोड वाहनों पर एनएचएआई ने बैठाई जांच, तलब होंगे सीसीटीवी फुटेज

झांसी (एजेंसी) अमर उजाला में खबर प्रकाशित होने के बाद अब एनएचएआई के परियोजना निदेशक ने बबीना समेत जिले के सभी टोल प्लाजा की जांच शुरू करा दी है। बताया गया है कि सभी टोल प्लाजा के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तलब की जाएगी। अवैध खनन कर रेत से भरी गाड़ियां बृहस्पतिवार को भी बिना नंबर प्लेट के खुलेआम बबीना टोल प्लाजा से गुजरती रहीं। अमर उजाला में खबर प्रकाशित होने के बाद अब एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के परियोजना निदेशक ने बबीना समेत जिले के सभी टोल प्लाजा की जांच शुरू करा दी है। बताया गया है कि सभी टोल प्लाजा के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तलब की जाएगी। जिस भी टोल प्लाजा से बिना नंबर प्लेट डंपर गुजरता मिला, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। बुंदेलखंड की नदियों का सीना छलनी कर वैध बालू घाटों की आड़ में अवैध खनन का धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। नियमों को ताक पर रखकर नदियों में पोकलैंड व पनडुब्बी मशीनों का इस्तेमाल कर रेत निकाली जा रही है। जिला प्रशासन ने अवैध खनन पर पाबंदी लगाने का दावा करते हुए संबंधित विभागों को सख्त कार्रवाई के आदेश जारी किए है। बावजूद इसके अवैध खनन के सिंडिकेट के आगे प्रशासन के दावे भी हवा हो गए। हालात यह है कि नेशनल हाइवे पर बने टोल प्लाजा से जहां बिना फास्टैग लगे वाहनों का निकलना मुश्किल बना हुआ है। उन्हीं टोल प्लाजा पर बिना नंबर के रेत से भरे ओवरलोड वाहन दिन भर बेखौफ होकर निकल रहे हैं। यह मामला एनएचएआई के परियोजना निदेशक मनोज कुमार ने संज्ञान लेकर बबीना टोल समेत अन्य सभी टोल प्लाजा की क्रियाकलापों की जांच शुरू कर दी है। इसको लेकर सभी टोल प्लाजाओं के पिछले एक माह के सीसीटीवी फुटेज तलब किए जाएंगे। साथ ही टोल पर लगी वेइंग मशीनों की जांच कराई जाएगी। 34 वाहन सीज किए, 1765 का काटा चालानः एसपी सिटी नोडल अधिकारी यातायात और एसपी सिटी प्रीति सिंह ने बताया कि पूरे जनपद में अवैध खनन व ओवरलोड सहित यातायात उल्लंघन करने वाले वाहनों पर पुलिस व यातायात पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। 25 और 26 मई को गलत नंबर प्लेट, बिना नंबर प्लेट सहित नंबर प्लेट छिपाकर चल रहे वाहन के साथ ही ओवरलोड खनिज 16 ट्रक व डंपर समेत 34 वाहनों को सीज किया है। इसके अलावा यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 1765 वाहनों का चालान कर 1807000 रुपये का शमन शुल्क लगाया है। टॉस्क फोर्स गठित कर की जा रही कार्रवाईः एआरटीओ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सुजीत सिंह ने बताया कि अवैध खनन के अलावा ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग की टॉस्क फोर्स लगातार कार्रवाई कर रही है। गुरसराय, मोंठ सहित अन्य हाईवे पर जांच कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन के साथ भी मिलकर कार्रवाई चल रही है।

मंडियों में किसानों की सहूलियत के लिए हरियाणा सरकार ने बदला एंट्री का तरीका

चंडीगढ़ः हरियाणा की अनाज मंडियों में फसल सीजन के दौरान गेट पास कटवाने के लिए घंटों लाइन में लगने वाले किसानों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश सरकार ने 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' और ई-खरीद पोर्टल की प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली की नंबर प्लेट की अनिवार्यता से जुड़े नियमों में बड़ी ढील दी है। अब किसान अपनी ट्रॉली पर या एक साधारण कागज पर वाहन का नंबर लिखकर भी मंडी में प्रवेश पा सकेंगे। दरअसल, पिछले कुछ सीजन के दौरान यह देखा गया था कि मंडियों के गेट पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) सिस्टम या कर्मचारी द्वारा नंबर प्लेट की फोटो लेने की प्रक्रिया में काफी समय खराब होता था। कई पुराने ट्रैक्टरों या ट्रॉलियों पर नंबर प्लेट स्पष्ट नहीं होती थी, जिसके कारण गेट पास जनरेट नहीं हो पाता था और मंडियों के बाहर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती थीं। किसानों की इस व्यावहारिक समस्या को देखते हुए विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि तकनीकी पेचीदगियों के कारण किसी भी किसान की फसल की एंट्री नहीं रोकी जाएगी। नए आदेशों के अनुसार, मंडी के प्रवेश द्वार पर अब निम्नलिखित विकल्प मान्य होंगे। यदि ट्रैक्टर या ट्रॉली पर नंबर प्लेट नहीं है, तो किसान एक सफेद कागज पर अपना पंजीकृत वाहन नंबर लिखकर गेट ऑपरेटर को दे सकता है। गेट ऑपरेटर उस कागज पर लिखे नंबर को पोर्टल में मैन्युअल रूप से दर्ज करेगा, जिससे तुरंत गेट पास जारी हो जाएगा। यह नंबर किसान के 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकृत डेटा से मेल खाना चाहिए।

किसानों और आढ़तियों ने किया स्वागत सरकार के इस फैसले का किसान संगठनों और आढ़ती एसोसिएशन ने स्वागत किया है। किसानों का कहना है कि कटाई के पीक सीजन में समय सबसे महत्वपूर्ण होता है। नंबर प्लेट के छोटे से झंझट के कारण मंडी के बाहर रात गुजारनी पड़ती थी, जो अब नहीं होगा।

गुजारा भत्ता खारिज: 16 लाख का समझौता छिपाने पर पत्नी को हाईकोर्ट की फटकार, फैमिली कोर्ट का आदेश रद्द

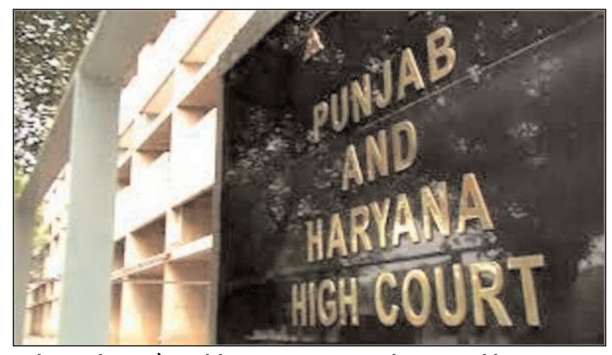

चंडीगढ़ः पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें एक व्यक्ति को अपनी पूर्व पत्नी को मासिक भरण-पोषण के रूप में 5000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस शालिनी सिंह नागपाल ने महिला की भरण-पोषण याचिका को इसलिए खारिज कर दिया क्योंकि उसने यह खुलासा नहीं किया कि उसे समझौते के रूप में पहले ही 16 लाख रुपए मिल चुके हैं। इसी जानकारी के आधार पर याचिका को खारिज कर दिया गया है। पीठ ने कहा कि जो वादी झूठे तथ्य प्रस्तुत करके या अहम तथ्यों को छिपाकर कोर्ट को गुमराह करने का प्रयास करता है, वह किसी भी प्रकार की राहत पाने का हकदार नहीं है। हाईकोर्ट फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। पूर्व पत्नी और पूर्व पति दोनों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था। इस दंपति ने 1998 में शादी की और उनके 3 बच्चे हुए। हालांकि, बाद में उनके वैवाहिक जीवन में खटास आ गई और 2007 में उनका तलाक हो गया। इसके बाद, उन्होंने अम्बाला की फैमिली कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया कि उनके पति ने उनका और बच्चों का भरण-पोषण करने से इंकार कर दिया था। महिला ने 15,000 रुपए के मासिक भरण-पोषण के लिए प्रार्थना की, जिसमें उसने बताया कि उसका पूर्व पति कुरुक्षेत्र में कृषि भूमि से प्रति माह 3 लाख रुपए कमा रहा था और साथ ही यूनाइटेड किंगडम में भी प्रति माह 3 लाख रुपए से अधिक कमा रहा था। हालांकि पूर्व पति ने इसका विरोध करते हुए कहा कि उसे 2010 में एक दीवानी मुकद्दमे में उससे भरण-पोषण के रूप में पहले ही 16 लाख रुपए मिल चुके हैं। यह भी तर्क दिया गया कि उसने इंग्लैंड में किसी और से शादी कर ली है। उसने दावा किया कि वह बेरोजगार है और उसकी कोई आमदनी नहीं है। फैमिली कोर्ट ने उसे 5,000 मासिक भरण-पोषण और 5500 रुपए मुकद्दमेबाजी खर्च का भुगतान करने का आदेश दिया था। यह फैसला सुनाते हुए कि दीवानी मुकद्दमे में हुए समझौते का उल्लंघन किया गया था। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि ऐसे समझौते को पूर्व पत्नी के भरण-पोषण के अधिकार को समाप्त करने के लिए कानूनी समझौता नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याची या पूर्व पत्नी को यह खुलासा करना अनिवार्य था कि उसे दीवानी मुकद्दमे में हुए समझौते के बाद अपने पूर्व पति के पिता से पहले ही 16 लाख रुपए मिल चुके थे। समझौते के तहत दोनों बेटियां पिता के साथ और बेटा मां के साथ रहेगा। इसमें कहा गया कि 16 लाख रुपए की राशि मां के भविष्य के भरण-पोषण और नाबालिग बेटे की शिक्षा एवं परवरिश के लिए दी गई थी। चूंकि इस बात का खुलासा फैमिली कोर्ट के समक्ष नहीं किया गया था, इसलिए कोर्ट ने पति की पुनरीक्षण याचिका स्वीकार कर ली।

सावधान! तेल की किल्लत की खबर पर रेवाड़ी के डीसी का बड़ा बयान

रेवाड़ीः जिले में गैस, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच रेवाड़ी जिला उपायुक्त ने स्थिति पूरी तरह स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिले में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। आम जनता को घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है, क्योंकि सप्लाई पूरी तरह से सुचारू रूप से चल रही है और निकट भविष्य में भी किसी कमी की कोई आशंका नहीं है। डीसी ने कहा कि कुछ लोग अफवाह फैलाकर अनावश्यक रूप से माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने रेवाड़ी की जनता से अपील करते हुए कहा कि गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की सप्लाई पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर सामान्य व्यवस्था बनी हुई है। साथ ही कमर्शियल गैस सिलेंडरों को प्राथमिकता के आधार पर स्कूलों और अस्पतालों में उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हों। बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के सवाल पर डीसी ने कहा कि प्रशासन ने सभी पटवारियों को खेतों में भेज दिया है, ताकि नुकसान का सही आकलन किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में 25 फीसदी से अधिक फसल खराब पाई जाएगी, वहां किसानों के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल कल से खोल दिया जाएगा, ताकि प्रभावित किसान जल्द से जल्द मुआवजे के लिए आवेदन कर सकें। डीसी ने कहा कि प्रशासन हर स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आमजन के साथ-साथ किसानों के हितों की भी पूरी सुरक्षा की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और केवल प्रशासन की आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

बाप रे बाप! पीएम रैली के एक साल बाद भी तेल का बिल बाकी, 10 पेट्रोल पंपों के 8 लाख अटके

झज्जरः हिसार में 14 अप्रैल 2025 को पीएम नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट का उद्घाटन समारोह के लिए आए थे। प्रशासन के द्वारा रैली में शामिल होने के लिए विभिन्न निजी वाहनों को अलग-अलग जिलों से हिसार भेजा था। समारोह में जाने वाली गाड़ियों में ईंधन भरा गया था। उनकी पेमेंट करीब 1 साल बाद भी नहीं हुई है। बताया गया कि हिसार, झज्जर, रोहतक, यमुनानगर समेत अन्य जिलों के 10 से ज्यादा पेट्रोल पंपों का करीब 8 लाख रुपए बकाया है। अब पेमेंट कैसे होगी, इसकी जानकारी पेट्रोल पंप संचालकों को नहीं है। झज्जर से तो 1 पेट्रोल पंप संचालक ने इसके लिए सीएम विंडो में भी शिकायत दी है, लेकिन उसका जवाब भी अब तक नहीं मिल सका है। झज्जर के जाखोदाव में ओम फिलिंग स्टेशन का 1 लाख व 29 हजार रुपए बकाया है। रोहतक के चार पेट्रोल पंपों का 2 लाख 75 हजार रुपए प्रशासन से लेना है। हिसार और यमुनानगर के पंप संचालकों का भी का पैसा बकाया है। झज्जर डीएफएससी कार्यालय के कोऑर्डिनेटर सुमित हुड्डा ने बताया कि झज्जर जिले के बहादुरगढ़ के जाखोदा स्थित ओम फिलिंग स्टेशन की पेमेंट 1,29,000 के करीब बाकी है। इसके लिए हमने हिसार डीसी ऑफिस में बिल भेज रखा है।

कुछ दिनों से लापता थी पत्नी, ससुराल वालों की धमकी से परेशान व्यक्ति ने उठाया खौफनाक कदम

पानीपत : पानीपत जिले के सेक्टर-25 स्थित फ्लोर चौक के पास व्यक्ति ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मामला पानीपत के फ्लोरा चौक के पास का है जहां पर धर्मेंद्र उम्र 40 वर्ष ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिवार वालों ने बताया कि धर्मेंद्र की पत्नी कुछ समय से घर से लापता थी जिसकी कंप्लेंट परिवार के लोगों ने थाने में भी दी थी, 00लेकिन जब से धर्मेंद्र की पत्नी घर से लापता थी तभी से ससुराल वालों की तरफ से धर्मेंद्र को लगातार धमकी दी जा रही थी। इसी से परेशान होकर धर्मेंद्र ने आज सुबह फांसी का फंदा लगा ली। इसके बाद मृतक के परिवार वालों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार के लोगों ने बताया कि ससुराल के लोगों द्वारा लगातार धमकी देने की वजह से ही धर्मेंद्र परेशान था जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

मीठी बातों में फंसाकर लूटते थे गहने, 2 शातिर चोर चढ़े पुलिस के हत्थे, कई वारदातों का खुलासा

शहर में अकेले जा रहे बुजुर्ग महिला-पुरुषों को अपनी मीठी बातों में फंसाकर ठगने वाले

रेवाड़ी : शहर में अकेले जा रहे बुजुर्ग महिला-पुरुषों को अपनी मीठी बातों में फंसाकर सोने के आभूषण और नकदी ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का उक्अ रेवाड़ी ने पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ठगी के दो जोड़ी सोने के कुंडल बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल-तिजारा के मातोर रोड निवासी गोविंद और मोहल्ला गुर्जरवाड़ा, रेवाड़ी निवासी राजकुमार के रूप में हुई है। डीएसपी बावल सुरेंद्र श्योराण ने प्रेस वार्ता में बताया कि 9 फरवरी को मोहल्ला बंजारवाड़ा निवासी एक बुजुर्ग महिला को दोनों आरोपियों ने रोककर बातों में उलझाया और कहा कि उनकी लॉटरी निकली है। लालच में लेकर उन्होंने महिला के कानों से सोने के कुंडल उतरवा लिए। इसके बाद बहाना बनाकर आरोपी मौके से फरार हो गए। इसी प्रकार 6 फरवरी को पीएनबी बैंक, सर्कुलर रोड के पास एक अन्य बुजुर्ग महिला को भी दोनों शातिरों ने अपना शिकार बनाया। वहां उन्होंने महिला को भरोसे में लेकर एक जोड़ी सोने के कुंडल और 6 हजार रुपये नकद ठग लिए।

दोनों घटनाओं के बाद थाना शहर रेवाड़ी में अलग-अलग ठगी के मुकदमे दर्ज किए गए, जिनकी जांच उक्अ रेवाड़ी को सौंपी गई। जांच के दौरान उक्अ टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। शुक्रवार को पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने दोनों वारदातों को अंजाम देना कबूल कर लिया, जिसके बाद उनकी निशानदेही पर ठगे गए सोने के दो जोड़ी कुंडल बरामद किए गए। अदालत में पेश करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी विशेष रूप से ऐसे बुजुर्ग महिला-पुरुषों को निशाना बनाते थे, जो अकेले आते-जाते हों। जैसे ही पीड़ित उनके जाल में फंसता, आरोपी मौके का फायदा उठाकर आभूषण और नकदी लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी गोविंद के खिलाफ राजस्थान के अलवर और खैरथल-तिजारा के विभिन्न थानों में ठगी के 12 मामले पहले से दर्ज हैं। वहीं आरोपी राजकुमार के खिलाफ जिला महेंद्रगढ़ और राजस्थान के अलग-अलग थानों में 6 मामले दर्ज हैं।

समावेशी शिक्षा की दिशा में बड़ा कदम, 134-ए के तहत शुल्क प्रतिपूर्ति अनुदान किया जारी

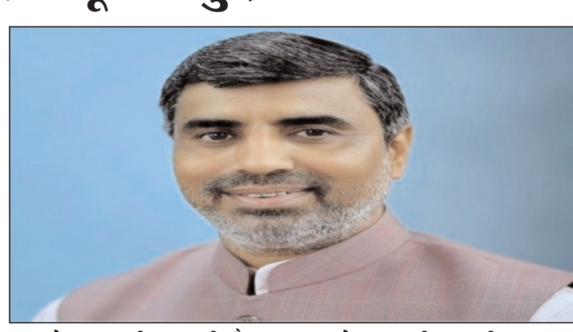

चंडीगढ़ : हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के नेतृत्व में स्कूल शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 134-ए के अंतर्गत ई.डब्ल्यू.एस. एवं बी.पी.एल. वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शुल्क प्रतिपूर्ति अनुदान राशि जारी कर अपने वायदे को पूरा किया है। विभाग द्वारा कुल 31.88 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है, जिससे राज्य के सात जिलों अम्बाला, गुरुग्राम, फतेहाबाद, कैथल, महेंद्रगढ़, पंचकूला और रोहतक के निजी विद्यालयों को लाभ हुआ है। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि यह कदम राज्य सरकार की समावेशी शिक्षा नीति को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से यह योजना निरंतर प्रभावी रूप से लागू की जा रही है। इस अनुदान से न केवल विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, बल्कि निजी विद्यालयों को भी समय पर वित्तीय सहायता सुनिश्चित होगी। महिपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा सरकार शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। 134-ए के तहत दी जा रही यह सहायता उसी दिशा में एक सार्थक पहल है। उन्होंने कहा कि विभाग भविष्य में भी इसी प्रकार पारदर्शिता और तत्परता के साथ योजनाओं को लागू करता रहेगा, ताकि शिक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। यह पहल न केवल शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाएगी, बल्कि समाज में समानता और समावेशिता को भी बढ़ावा देगी।

डॉक्टरों को अब बाहर की दवा लिखने पर बताना होगा कारण, सीएम सैनी ने दिए सख्त निर्देश

हरियाणा : हरियाणा सरकार ने प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता और उपयोग को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि कोई डॉक्टर मरीज को बाहर से दवा लिखता है तो उसे यह बताना अनिवार्य होगा कि संबंधित दवा अस्पताल में उपलब्ध क्यों नहीं थी। ऐसा न करने पर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने दवा प्रबंधन प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं का रिकॉर्ड रियल टाइम सेंट्रलाइज्ड पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा, जिससे दवाओं की उपलब्धता पर लगातार नजर रखी जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमवो) अस्पतालों में दवाओं की जरूरत का आकलन कर कम से कम चार दिन पहले संबंधित एजेंसियों को सूचित करें, ताकि किसी भी अस्पताल में दवाओं की कमी न हो। बैठक में डॉक्टरों की कमी को भी गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने आवश्यकतानुसार संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) के आधार पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए।इसके अलावा अस्पतालों में सीटी स्कैन, एमआरआई जैसी आधुनिक जांच सुविधाओं, उपकरणों की उपलब्धता, स्टाफ की गुणवत्ता और सेवाओं में सुधार पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। दवाओं और उपकरणों की खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के साथ-साथ अस्पतालों में साफ-सफाई, एंबुलेंस सेवा, एलपीजी व्यवस्था और मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

हरियाणा में इस आईएएस को मिला 3 महीने का सेवा विस्तार

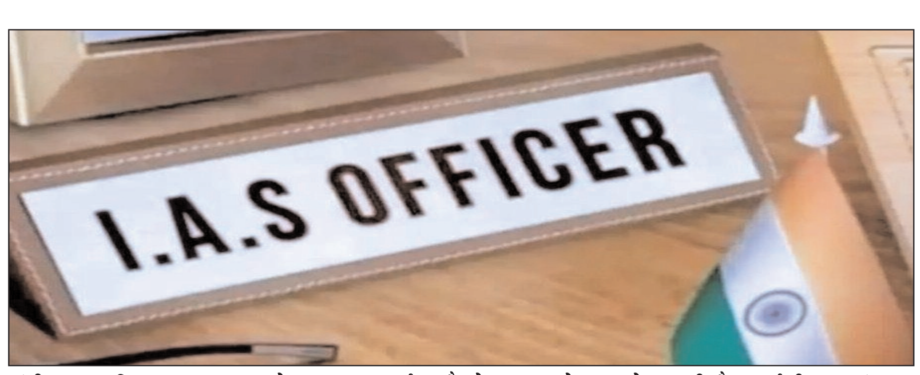

चंडीगढ़ः हरियाणा सरकार ने आई.ए.एस. अधिकारी मुकेश आहूजा को 31 मार्च को सेवानिवृत्ति के दिन 3 महीने का सेवा विस्तार दिया है। अब वह 30 जून तक सरकार में सेवाएं देंगे। आहूजा के पास हरियाणा मार्कीटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक और हरियाणा लोक सेवा आयोग में सचिव पद का कार्यभार है जो यथावत रहेगा। आहूजा की गिनती ईमानदार अधिकारियों में होती है और उनके समय में हरियाणा लोक सेवा आयोग की विभिन्न परीक्षाओं में पारदर्शिता दिखाई दी।

चर्चा है कि 3 महीने बाद भी सरकार उन्हें किसी अहम पद पर जिम्मेदारी दे सकती है। आई.पी.एस. गंगाराम पूनिया हुए रिलीव आई.पी.एस. अधिकारी गंगाराम पूनिया को हरियाणा सरकार ने रिलीव कर दिया है। अब वह इसी सप्ताह सी.बी. आई. में अपनी ज्वाइनिंग देंगे। गंगाराम पुनिया पिछले कई महीनों से ए.सी.बी. में एस.पी. पद पर तैनात थे।

हरियाणा शिक्षा विभाग का अभिभावकों को बड़ा झटका, हजारों गरीब बच्चों की पढ़ाई पर मंडराया संकट

हरियाणा : हरियाणा में शिक्षा विभाग ने चिराग योजना में बदलाव कर दिया। बदलाव करते हुए आय सीमा फिर से घटा दी है। पहले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दायरे को बढ़ाते हुए अभिभावकों की वार्षिक आय सीमा 1.80 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दी गई थी, लेकिन अब विभाग ने इस फैसले को वापस लेते हुए दोबारा 1.80 लाख रुपये कर दिया है।बताया जा रहा है कि इस फैसले के साथ ही योजना का दायरा काफी सीमित हो गया है। अब केवल वही छात्र प्राइवेट मान्यता प्राप्त स्कूलों में दाखिले के पात्र होंगे, जिनके परिवार की सालाना आय 1.80 लाख रुपये या उससे कम है। चिराग योजना में बदलाव के चलते रणदीप सुरजेवाला भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा कि हरियाणा को "अनपढ़ बनाने की गारंटी" बनी भाजपा का, बच्चों की शिक्षा पर एक और हमला! सालाना 8 लाख तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के बच्चों से निःशुल्क शिक्षा का हक भी, अब नायब सरकार ने छीन लिया। पूरे प्रदेश में "चिराग योजना" के तहत चिन्हित कुल 1108 मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की 47,255 सीटों पर छठी से 12वीं तक दाखिला होना है। मगर सरकार के नए फरमान के मुताबिक अब केवल ड्ट1,80,000 तक की सालाना आय वाले परिवारों के बच्चे ही, इस योजना के तहत प्राइवेट स्कूलों में दाखिले के लिए आवेदन कर सकेंगे और उसके बाद बच्चों को दाखिले का लाभ नहीं मिलेगा। 'चिराग योजना' के तहत निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में मिलने वाली निःशुल्क शिक्षा का रास्ता बंद कर, भाजपा ने अपना असली चेहरा दिखा दिया है।

'मैं जिंदा नहीं रहूंगा, घर में डेड बॉडी ही पहुंचेगी'...50 लाख गंवाने के बाद युवक ने किया सुसाइड, दलाल पर गंभीर आरोप

सोनीपत : सोनीपत में विदेश जाने के सपने ने एक युवक की जान ले ली, जबकि दूसरा युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। जानकारी के अनुसार सोनीपत के छोटूराम चौक स्थित एक रेस्टोरेंट में 2 युवकों ने जहरीला पदार्थ निगल लिया, जिसके बाद दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। फिलहाल सीटी थाना पुलिस मामले को जांचे जुटी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवकों की पहचान अंकुश, निवासी कालवा (जिला जींद) और रोहित, निवासी झरोठी (जिला सोनीपत) के रूप में हुई है। दोनों आपस में रिश्तेदार हैं और बुआ तथा मामा के बेटे बताए जा रहे हैं। घटना के बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान रोहित की मौत हो गई, जबकि अंकुश की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।मामले में मृतक और घायल दोनों युवकों के परिजनों ने विदेश भेजने वाले एक दलाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि अमेरिका भेजने के नाम पर दलाल को 50 लाख रुपये दिए गए थे, लेकिन जब पैसे वापस मांगे गए तो दलाल ने रुपये लौटाने से इनकार कर दिया। इसी आर्थिक और मानसिक तनाव के चलते दोनों युवकों ने यह खौफनाक कदम उठाया।विदेश भेजने के नाम पर दलाल ने की 50 लाख की ठगी परिजनों का आरोप है कि विदेश भेजने वाले जिस दलाल से संपर्क किया गया था, उसका नंबर उन्हें दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने दिया था। परिवार का दावा है कि इसी संपर्क के माध्यम से दलाल तक पहुंचे थे और उसी के कहने पर 50 लाख रुपये दिए गए थे। परिजनों के मुताबिक, पैसे वापस न मिलने और लगातार मानसिक दबाव में रहने के कारण युवकों ने आत्मघाती कदम उठाया। परिजनों ने यह भी बताया कि जहरीला पदार्थ निगलने से पहले रोहित ने अपने ताऊ को फोन कर कहा था कि वह अब जिंदा नहीं रहेगा और उसकी डेड बॉडी ही घर पहुंचेगी। यह सुनकर परिजन सकते में आ गए, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

फिलहाल पूरे मामले में पुलिस ने मीडिया के कैमरे से दूरी बना ली है। वहीं परिजनों ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपित दलाल और उससे जुड़े लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो वे रोहित के शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन करेंगे। घटना की सूचना मिलने के बाद सोनीपत सिटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दलाल, कथित दिल्ली पुलिस अधिकारी और अन्य संबंधित लोगों की भूमिका की पड़ताल में जुटी हुई है।

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

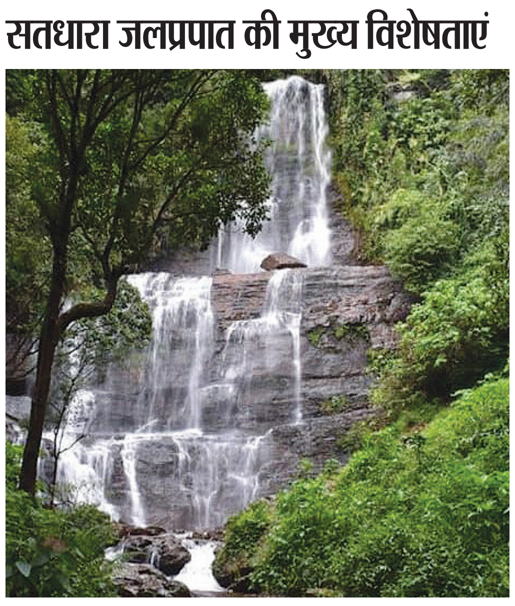

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे प्रतिभा रांटा और रोहित सराफ?

अभिनेता रोहित सराफ इन दिनों अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक दोनों की आपस में अच्छी बनती है और वह अच्छे दोस्त हैं। दोनों को एक दूसरे का साथ पसंद आ रहा है। वे एक दूसरे के साथ अक्सर अच्छा वक्त बिताते हैं। उनके बीच अच्छा रिश्ता होने के बावजूद वह अपने रिश्ते को कोई नाम नहीं दे रहे हैं। कई जगहों पर एक साथ स्पॉट होने की वजह से दोनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। दिलचस्प है कि न तो प्रतिभा रांटा और न ही रोहित सराफ ने अब तक अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है।

इस सीरीज का होंगे हिस्सा

इस बीच खबर आ रही है कि रोहित और प्रतिभा सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे। इसके निर्देशक निखिल आडवाणी हैं। इसकी कहानी एक किताब पर आधारित है। इन दोनों कलाकारों के अलावा इसमें भुवन बाम, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह होंगे। यह सीरीज इसी साल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।

प्रतिभा रांटा का वर्कफ्रंट

प्रतिभा रांटा बॉलीवुड फिल्म 'लापता लेडीज' (2024) में नजर आ चुकी हैं। वह 'एक्यूज्ड' (2026) का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

रोहित सराफ का वर्कफ्रंट

रोहित सराफ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' (2025) और 'ठग लाइफ' (2025) का हिस्सा रहे हैं।

जिंदगी को भी 'गेम' जैसे खेलती हूं

'सेक्रेड गेम्स' की कुकू हो या 'द ट्रायल' की सना शेख, एक्ट्रेस कुब्रा सैत को जब भी दमदार किरदार मिले, उन्होंने उसे निचोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन स्ट्रॉन्ग, कॉम्प्लेक्स लड़कियों में उन्होंने बिंदासियत और संवेदनशीलता का मिला-जुला रंग भरकर यादगार बना दिया। अब अपनी नई सीरीज 'संकल्प' में भी वह डीएसपी परवीन शेख की सशक्त भूमिका में हैं।

कुब्रा का कहना है, 'मैं खुशनसीब हूं कि मुझे ये किरदार निभाने को मिले। उनमें जो कॉम्प्लेक्सिटी है, उसे निभाना सौभाग्य की बात है। मैं इनसे सीख पाती हूं कि सिर्फ ताकतवर होना ही मजबूती नहीं है। असुरक्षित, टूटा होकर खड़ा होना भी ताकत है। मुझे लगता है कि ये जितने भी किरदार मैंने निभाए हैं, उनमें कुछ न कुछ मेरा होगा क्योंकि ये सारे रंग हम सबमें हैं। वो चाहे बिंदासियत हो, ताकत या असुरक्षित महसूस करना, इन किरदारों के जरिए मुझे अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अच्छी बात ये है कि ऑडियंस इनसे रिलेट कर पा रही है, पसंद कर रही है तो हम कुछ तो सही कर रहे है। यही चीज मुझे प्रेरित करती है।'

कुब्रा की पहली ही फिल्म रेडी सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ थी। उनके साथ काम करते वक्त कोई डर या इंटीमिडेशन था, यह पूछने पर वह कहती हैं, 'नहीं यार, मैं बहुत कॉन्फिडेंट थी तो मैं सबके साथ बैठकर बातें करती थी। मुझे सबके बारे में जानना था। मैं सलमान खान सर के साथ भी बैठती थी। उनसे पूछती थी कि ये कैसे हुआ, वो कैसे हुआ, तो वे भी बातें करते थे। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि नई हूं तो कोने में बैठना जरूरी है।

टैलंट के बावजूद 15 साल लंबे करियर में कुब्रा मेन लीड में ना के बराबर ही दिखी हैं। क्या इस बात का कभी मलाल होता है? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'नहीं यार, ये सब सोचूंगी तो जो काम हो रहा है वो भी बंद हो जाएगा। मुझे बहुत कुछ क्रिएट करना है। अपना बहुत कुछ करना है। मैं इन बातों में फंसी तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। इससे बेहतर जो काम है या जो काम मैं करना चाहती हूं, उस पर फोकस करूं। बाकी तो बहुत कुछ हो सकता था, पर मैं आज यहां पर हूं और अपने काम में मुझे मजा आ रहा है, इससे बड़ी बात और क्या होगी। हां, कभी कभी लगता है। जैसे, कोविड के वक्त मुझे लगा था कि सब खत्म हो गया। अब कुछ नहीं होगा। मैं अपना सामान पैक करके वापस घर चली जाऊंगी, मगर नहीं गए, टिके रहे और यहां पर टिके रहने का ही गेम है।

'धुरंधर 2' से प्रभावित होकर राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार' सीरीज टाली, बनाएंगे सिंडिकेट

फिल्म निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा आदित्य धर की हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर 2' से खासा प्रभावित हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बार फिर से फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने अपने बचपन के सपनों के बारे में दिलचस्प बातें साझा कीं। साथ ही बताया कि अब 'सरकार' नहीं बल्कि 'सिंडिकेट' पर काम करना चाहते हैं। राम गोपाल वर्मा ने बताया कि 10 साल की उम्र में वह ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहते थे, क्योंकि एक्सीलरेटर तेज होने पर निकलने वाली 'वूम-वूम' की आवाज उन्हें बहुत आकर्षित करती थी। एक लंबा नोट लिखते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा, ' बदलाव ही एकमात्र स्थिर चीज है जिसके साथ हम सब बड़े हुए। मेरे जीवन के शुरुआती सालों में सपने लगातार बदलते रहे। उन्होंने लिखा, 'जब मैं करीब 10 साल का था, तो ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहता था। फिर 15 साल की उम्र में चचेरे भाई से प्रेरित होकर जंगल में रहना चाहा। कुछ साल बाद इंजीनियर बनने का सपना देखा, लेकिन फिर मन बदलकर डायरेक्टर बनने का फैसला किया।'

फिल्म मेकर ने अपनी पढ़ने की आदतों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एनिड ब्लाइटन की किताबें उन्हें बहुत पसंद थीं, लेकिन जब जेम्स हैडली चेस के बारे में पता चला तो वे उन्हें सबसे शानदार लेखक लगे। बाद में फ्रेडरिक फोर्सिथ ने उन्हें और भी ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने लिखा कि नए अनुभव हमें बदलते हैं और हमारे बेंचमार्क को ऊंचा उठाते हैं, ऐसा होना भी चाहिए।अपनी फिल्मों के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी बेंचमार्क फिल्में 'द साउंड ऑफ म्यूजिक' (जिससे 'रंगीला' प्रेरित हुई), 'एक्सॉर्सिस्ट' (जिससे 'रात' और 'भूत') व 'गॉडफादर' (जिससे 'सत्या', 'कंपनी' और 'सरकार' सीरीज) रही हैं। उन्होंने मुख्य रूप से 'गॉडफादर' से प्रेरणा लेकर फिल्में बनाईं।

उन्होंने 'धुरंधर: द रिवेंज' की खूब तारीफ की। साथ ही कहा कि इस फिल्म ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने 'सरकार' फ्रैंचाइजी की अगली कड़ी को टाल दिया है और अब 'सिंडिकेट' पर काम करने का फैसला किया है। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, 'जानिए सिंडिकेट क्यों, सरकार क्यों नहीं? सिंडिकेट की कहानी इस सोच पर आधारित है कि क्या होगा अगर भारत का पूरी कानून-व्यवस्था एक दिन में ही ढह जाए? यह हॉरर फिल्म जैसी होगी, लेकिन कोई सुपरनैचुरल तत्व नहीं, बल्कि इंसानी दिमागों में छिपी भयानक चीजों को दिखाएगी। यह एक ऐसे संगठन की कहानी है जो इतना शक्तिशाली और संगठित हो जाता है कि देश के अस्तित्व के लिए खतरा बन जाता है।'

राम गोपाल ने आगे बताया कि 'धुरंधर 2' देखने के बाद उनकी पुरानी फिल्में उन्हें कुछ भी नहीं लगतीं। अगर पहले 'गॉडफादर' उनका पैमाना था, तो अब 'धुरंधर 2' को वह 'गॉडफादर का भी गॉडफादर' मानते हैं। फिल्म के हर पहलू कहानी कहने का अंदाज, किरदार, बैकग्राउंड म्यूजिक, एक्शन और अदाकारी ने उन्हें पूरी तरह प्रभावित किया।

अक्षय ने 'वक्त' फिल्म से सीखा जीवन का सबसे बड़ा सबक

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों रियलिटी क्विज शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' की मेजबानी करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपने शो में सभी को समय की कीमत के बारे में अच्छे तरीके से समझाया। इस दौरान उन्होंने अमिताभ बच्चन की साथ में की फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' का जिक्र करते हुए कहा कि असल जिंदगी फिल्मों की तरह नहीं होती। दरअसल, इस फिल्म में ईश्वरचंद ठाकुर (अमिताभ बच्चन) एक जिम्मेदार पिता है जो अपने बिगड़े हुए बेटे आदित्य (अक्षय कुमार) को जीवन का सबक सिखाना चाहता है, लेकिन जब ईश्वरचंद को पता चलता है कि उसे कैंसर है, तो वह एक सख्त फैसला लेता है ताकि उसका बेटा जिम्मेदार बने। अक्षय ने बताया कि 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' उनकी खास फिल्मों में से एक थी और इसकी एक लाइन ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। अक्षय ने कहा, 'मैं आपको एक फिल्म बताता हूं, जो मेरी जिंदगी के लिए बहुत खास फिल्मों में से थी। उसका नाम था 'वक्त'। इस फिल्म में एक लाइन होती है, 'कोई बात नहीं बेटा है, सुधर जाएगा', लेकिन असलियत में ऐसा नहीं होता। हम अक्सर सोचते हैं कि कल सुधर जाएगा, बाद में कर लेंगे, लेकिन समय किसी का इंतजार नहीं करता।'

अक्षय ने आगे 'सूरज चमकते समय घास बनाने' की कहावत का भी जिक्र किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मौका मिलते ही काम कर लेना चाहिए, वरना बाद में पछतावा ही रह जाता है।

एक प्रतियोगी रोहित को संबोधित करते हुए अक्षय ने सीधे कहा, 'रोहित, मैं सच बता रहा हूं बेटा, वक्त किसी का इंतजार नहीं करता।'

अक्षय ने कहा, 'मैं बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा नहीं था। इसलिए 14 साल की उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था, क्योंकि धीरे धीरे मुझे महसूस हुआ कि अपनी जिंदगी खुद संभालनी होगी।'

अक्षय ने अपने संदेश को एक मजबूत निष्कर्ष के साथ खत्म किया। उन्होंने कहा, 'मैं सबको यह कहना चाहता हूं कि कभी यह मत सोचिए कि सही वक्त आने पर कर लेंगे। अगर कुछ करना है तो आज ही शुरू कर दो। वरना वह काम कभी नहीं हो पाएगा। समय बहुत तेजी से गुजरता है और पीछे मुड़कर देखने पर सिर्फ अफसोस रह जाता है।'

साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित एक सफल भावनात्मक बॉलीवुड पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और शेफाली शाह ने अभिनय किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस में काफी सफल रही थी।

'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाना चाहते हैं इमरान खान

अनिल कपूर स्टारर 'मिस्टर इंडिया' अपनी रिलीज के 29 साल बाद भी दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर है। फिल्म को हर पीढ़ी के दर्शक काफी पसंद करते हैं। कई बार फिल्म का सीक्वल बनाने की भी चर्चाएं उठीं। अब अभिनेता इमरान खान ने 'मिस्टर इंडिया' का रीमेक बनाने की इच्छा जताई है।

'मिस्टर इंडिया' के फैन रहे हैं इमरान

हाल ही में रेडिट के एक आस्क मी एनिथिंग सेशन में इमरान खान ने फैंस के अलग-अलग सवालों के जवाब दिए। इसी दौरान एक प्रशंसक ने इमरान खान से पूछा, 'अगर आपको कभी दुनिया के किसी भी इंडस्ट्री के किसी भी पॉपुलर किरदार (सुपरहीरो सहित) को अपने नजरिए से फिर से लिखने का मौका मिले, तो आप किसे चुनेंगे?'

इसके जवाब इमरान ने कहा कि यह सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन कई साल से मेरा सपना रहा है कि मैं 'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाऊं। मैं इस फिल्म का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। क्योंकि यह एक फिक्शनल कॉमिक बुक फिल्म को यथार्थवादी और इमोशनल रूप से मजबूत बनाने का एक बेहतरीन उदाहरण है। यह शानदार है। अनिल कपूर आज भी उतने ही अच्छे दिखते हैं जितने तब दिखते थे।

इमरान को पसंद है 'मिस्टर इंडिया' की मासूमियत

इसी दौरान इमरान से पूछा गया, ''मिस्टर इंडिया' एक महान किरदार हैं। उनकी यात्रा का आधुनिक रूप देखना बहुत रोमांचक होगा। इसलिए इसमें कुछ भी अजीब नहीं है। लेकिन क्या आप उसे एक हीरो वाला कैरेक्टर ही रखेंगे या एक क्लासिक विलेन के रूप में बदलने का जोखिम उठाना चाहेंगे?' इस पर इमरान ने कहा कि मेरे लिए इस किरदार की खूबसूरती उसकी ईमानदारी और आदर्शवाद में ही है। एक्टर ने कहा कि मुझे सच में लगता है कि मूल फिल्म में अनिल कपूर का जो आकर्षण और मासूमियत थी, उसे रीमेक में आप बखूबी निभा सकते हैं। मुझे जरूर बताएं कि मैं इसके लिए कहां साइन अप कर सकता हूं।

1987 में रिलीज हुई थी 'मिस्टर इंडिया'

शेखर कपूर द्वारा निर्देशित 'मिस्टर इंडिया' साल 1987 में रिलीज हुई थी। यह एक लोकप्रिय सुपरहीरो फिल्म है। इसमें अनिल कपूर ने अरुण वर्मा का किरदार निभाया है, जो एक वायलिन वादक है और अनाथ बच्चों का पालन-पोषण करता है।

11 साल बाद इस फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर नजर आएंगे इमरान

इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में एक छोटी सी भूमिका में नजर आए थे। उनकी लीड हीरो के रूप में अगली फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' है। इस फिल्म के जरिए इमरान लगभग 11 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे।

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी मोना सिंह वेब सीरीज 'मां का सम'

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। 'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो रिलीज हो रही है।

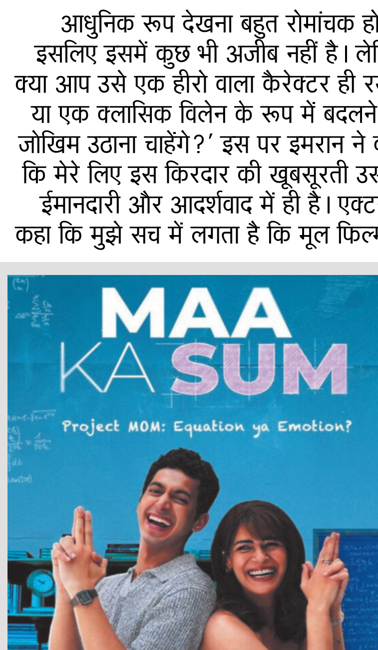

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।